卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा卐ॐ卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 352 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦30 सितम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

चमोली में आकाशीय बिजली गिरने से देवर भाभी की मौत

चमोली(उद संवाददाता)। चमोली के नंदा नगर सर्पणी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के देवर और भाभी की मृत्य हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना शुक्रवार रात करीब 9बजे की है। दोनों देवर भाभी अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई और हादसे में 28 वर्षीय प्रकाश लाल और 24 वर्षीय हेमा की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि हेमा की 6 बेटियां

और हाल ही में एक बेटा हुआ था जो कि 6 महीने का है। वहीं प्रकाश लाल के दो बेटे हैं जो तीन-चार साल के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

सीएम की सुरक्षा में चूक

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली। मुख्यमंत्री धामी का हेलीकॉप्टर जैसे बन्नू स्कूल के मैदान में उतरा तभी पार्टी कार्यकर्ताओं का हुजूम मंत्री और विधायक के साथ सीधे मुख्यमंत्री के

हेलीकॉप्टर तक पहुंच गया। हेलीकॉप्टर के पंखे बंद भी नही हुए थे कि इससे पहले ही मंत्री के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता हेलीकॉप्टर तक पहुंच गए। इस दौरान न तो पुलिस व्यवस्था कड़ी दिखी और ना ही अनुशासन वाली पार्टी का अनुशासन दिखा। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में लगाये गये अधिकारी कर्मचारी भी भीड़ के सामने बेबस नजर आये।

अनियंत्रित ट्रक पेड़ से भिड़ा,चालक गंभीर

किच्छा(उद संवाददाता)। हल्द्वानी रोड पर बेनी मजार से आगे एक ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से भिड़ गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती करायागया। हादसे का कारण चालक

को झपकी आना माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक देर रात ट्रक संख्या एचआर 55 एएल-8154 हल्द्वानी से किच्छा की ओर जा रहा था। बेनी मजार से एक किमी आगे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से भिड़ गया। जिससे ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें ट्रक का चालक खना,फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश निवासी तर्जन पुत्र तेज सिंह बुरी तरह फंस गया। हाइड्रा की मदद से फंसे हुए ट्रक को पीछे हटाकर चालक को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल चालक को स्वास्थ्य केन्द्र भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार जारी हैं। घटना का कारण चालक को झपकी आना माना जा रहा है।

हाथी दांत के साथ महिला सहित तीन तस्कर दबोचे

आईटीआई थाना पुलिस और वन विभाग की टीम को मिली बड़ी सफलता

काशीपुर (उद संवाददाता)। आईटीआई पुलिस और वन विभाग की टीम ने हाथी दांत तस्करी में लिप्त एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर 12 लाख कीमत का हाथी दांत बरामद किया है। खुलासा करते हुए पुलिस अध ीक्षक अभय सिंह ने बताया कि थाना आईटीआई पुलिस व वन विभाग की संयुक्त टीम ने काशीपुर के पास बन्ना खेड़ा स्थित फ्लाईओवर पुल के नीचे मोटरसाइकिल संख्या यूके 04 एम 7027 पर एक महिला समेत दो अन्य आरोपियों को रोका तो उनके पास एक हाथी दांत बरामद हुआ। जिसकी लंबाई 2 फीट 8 इंच है। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत 12 लाख रुपए है। पकड़े गये आरोपियों ने

अपने नाम देवेंद्र सिंह पुत्र इंद्र सिंह निवासी गाना सेंटर कालीपुर पोस्ट देवलचौड हल्द्वानी, मनोज बोरा पुत्र खड़क सिंह बोरा निवासी हरिपुर लालमणि गना सेंटर, सुखमणि देवी पत्नी राम सिंह रावत निवासी पंचेश्वर कोट हरखेड़ा चंपावत बताये। तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला वन्य जीव संरक्षण अधिनियम से संबंधित होने के कारण अग्रिम कार्रवाई वन विभाग से कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए तस्करों ने बताया कि बरामद हाथी दांत को पिछले लगभग 7 माह के करीब से उन्होंने जंगलों में छुपा कर रखा था। इस बीच कई बार उसे बेचने की कोशिश की लेकिन दाम कम मिलने के कारण बात नहीं बनी। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों की अभी और कुंडली खंगाल रही है। तस्करों को पकड़ने वाली टीम में आईटीआई थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार,वन क्षेत्राधिकारी ललित कुमार, उप वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल सोमवीर सिंह, कांस्टेबल दीपक कुमार,शैलेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल, सुनीता कंबोज, हेड कांस्टेबल हेमचंद्र, वन दरोगा, सुनीता बेलवाल, वन दरोगा बृजेश कुमार शर्मा, वन दरोगा राजेन्द्र सिंह, वन आरक्षी दीपक कुमार शामिल थे।

ट्रेन की चपेट में आकर बुझा घर का इकलौता चिराग

पालतू कुत्ते को घुमाने निकला था प्रियांशु, परिवार में मचा कोहराम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि रोज की तरह घर के पालतू कुत्ते को घुमाने निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर आदर्श कालोनी चौकी प्रभारी महेश कांडपाल पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की शिनाख्त अंबिका विहार निवासी 18 वर्षीय प्रियांशु भंडारी पुत्र महेंद्र भंडारी के रूप में की गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी वहां आ पहुंचे और प्रियांशु का शव देखकर उनमें कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों से

आवश्यक जानकारी ली। जानकारी के अनुसार गत रात्रि करीब 9.30 बजे अंबिका विहार निवासी सिडकुल कर्मी महेंद्र भंडारी का 18 वर्षीय पुत्र प्रियांशु रोज की तरह घर के पालतू कुत्ते को घुमाने घर से रवाना हुआ। जब वह काफी देर तक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता सताने लगी। वह आस पड़ोस के लोगों को साथ लेकर उसकी खोजबीन करने निकल पड़े। मार्ग में घूमता हुआ कुत्ता तो मिल गया लेकिन प्रियांशु का कही कोई पता नहीं चला। तो परिजनों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। जिसके बाद मामले की जानकारी मिलते ही आदर्श कालोनी चौकी प्रभारी महेश कांडपाल पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने परिजनों के साथ लापता युवक (शेष पृष्ठ सात पर)

बेकाबू कार की टक्कर से दो छात्र गंभीर

कालेज के बाहर खड़े कई वाहन भी क्षतिग्रस्त,छात्रों में रोष

रामनगर (उद संवाददाता)। बेकाबू कार की टक्कर से महाविद्यालय के बाहर खड़े दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गये। अनियंत्रित कार ने महाविद्यालय के बाहर खड़ी कई बाइकों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गयी। घायल छात्रों को राजकीय अस्पताल ले जाया गया जहां

उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए हायर सैंटर रैफर कर दिया। घटना से छात्रों में रोष है। छात्रों ने कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह अज्ञात कार चालक ने तेज व लापरवाही से वाहन चलाकर राजकीय महा विद्यालय के बाहर खड़े दो हयात और फरहान अहमद नाम के छात्रों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके अलावा बेकाबू कार ने महाविद्यालय के बाहर खड़ी 8 से 9 बाईको को भी टक्कर मारकर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद महाविद्यालय के बाहर खड़े छात्र-छात्राओं में अफरातफरी का माहौल बन गया। घटना (शेष पृष्ठ सात पर)

15 दिन के अंदर शराब की दो दुकानों में दूसरी बार चोरी

रामनगर(उद संवाददाता)। नेशनल हाईवे पर भवानीगंज स्थित अंग्रेजी और देसी शराब की दुकानों में शुक्रवार की देर रात अज्ञात चोरों ने एक बार फिर दुकान का टीन शेड काट कर दोनों दुकानों से हजारों रुपए की चोरी कर ली ।चोरों ने दुकान के अंदर ही बैठकर शराब भी पी। दोनों दुकानों में पन्द्रह दिन के भीतर चोरी की दूसरी वारदात हुयी है जिससे पुलिस की कानून व्यवस्था की एक बार फिर पोल खुली है। जानकारी के अनुसार देर रात अज्ञात चोर टीन शेड काटकर शराब की दुकानों में घुस गये और वहां से हजारों की नगदी पर हाथ साफ कर लिया।

बेखौफ चोरों ने दुकान के अंदर ही बैठकर शराब भी पी। बता दें 15 दिन पहले भी इन दोनों दुकानों में चोरी की वारदात हुयी थी। जिसका खुलासा पुलिस अभी कर भी नहीं पाई थी कि चोरों ने एक बार फिर वारदात को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे दी। दुकान स्वामी विपिन कांडपाल ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पूर्व में हुई भी चोरी का पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है जिस कारण दोबारा से यह घटना चोरों द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि चोरों के अंदर पुलिस का खौफ नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा हर माह करोड़ों रुपए का राजस्व सरकार को दिया जाता है लेकिन उसके बावजूद भी सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस का यही हाल रहा तो आने वाले समय में यह चोर कोई बड़ी घटना भी कर सकते हैं वही मामले में कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने कहा कि घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

चोरों ने तीन गुरुद्वारों को फिर बनाया निशाना

गदरपुर(उद संवाददाता)। बेखौफ चोरों ने बीती रात्रि फिर तीन गुरुद्वारों में चोरी करके पुलिस को खुली चुनौती दी है। बढ़ती चोरियों को लेकर लोगों में रोष पनप रहा है। जानकारी के अनुसार निकटवर्ती ग्राम मजरा मरदान, अब्दुल्ला नगर वह बरेली नगर 2 के गुरुद्वारा सहित तीन दान पात्रों को चोरों ने फिर निशाना बनाते हुए वहां से चोरी की है। दिन निकलते ही लोगों को जब पता चला तो लोगों में आक्रोश पनपन लगा और पुलिस के लिए भी तीखी प्रतिक्रियाएं देने लगे। ग्रामीण संदीप ने बताया कि पुलिस ने पहले भी दबाव में जल्दबाजी दिखाते हुए चोरी खोली थी ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पुलिस असल चोरों तक पहुंच ही नहीं पाई। एक ग्रामीण ने बताया कि अभी गर्मियों का मौसम है लोग घरों के बाहर आंगन में भी सो जाते हैं सर्दियां आने पर चोरियां और बढ़ने की संभावना है। पुलिस को समय रहते इस पर लगाम लगानी चाहिए वहीं थाना अध्यक्ष राजेश पांडे ने बताया कि घटना संज्ञान में है। पुलिस ने घटना स्थल पर जाकर पूछताछ की है जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

एनएचआई की रिपोर्ट में हुआ खुलासा: जमीन के अंदर हाइड्रोस्टेटिक दबाव बढ़ने से फूटा था जलस्रोत

जोशीमठ में अक्तूबर 2021 में आई विनाशकारी बाढ़ और भारी बारिश के कारण जमीन में भू धंसाव से भवनों में चौड़ी दरारें पड़ने लगी

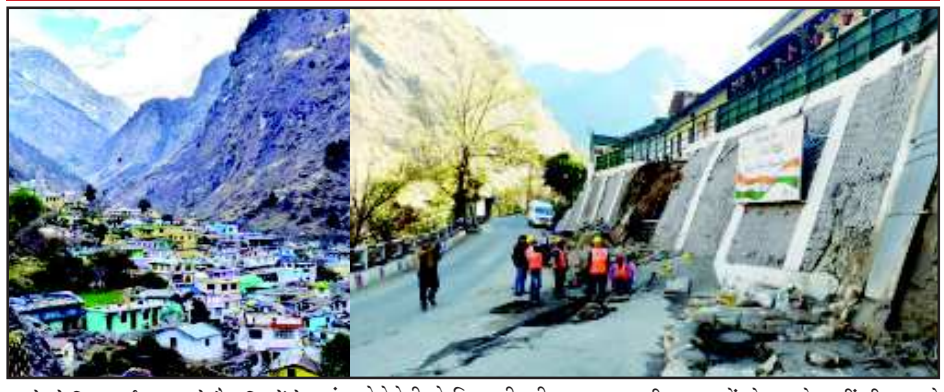

देहरादून(उद ब्यूरो)। चमोली जनपद के जोशीमठ क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से पहाड़ की जमीन धंसने और दरारे पड़ने के पीछे का कारण अक्तूबर 2021 में आई विनाशकारी बाढ़ और भारी बारिश के बाद जमीन के भीतर जमा हुए 10.66 मिलीयन लीटर पानी के कारण बना हाइड्रोस्टेटिक दबाव था। जो जनवरी 2023 में जमीन के भीतर फूट पड़ा और अपने साथ भीतर से मिट्टी भी बहाकर ले आया। इससे भीतर से पहाड़ में खोखलापन पैदा हुआ धंसने के साथ ही भवनों में कई मीटर चौड़ी दरारें दिखाई देने लगी। पानी ने किस तरह से पहाड़ को खोखला कर आपदा की शक्ल अख्तियार की। इसका खुलासा एनएचआई की रिपोर्ट से हुआ है। वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार भूस्खलन जनवरी 2023 के पहले सप्ताह के दौरान हुआ भूस्खलन अन्य घटनाओं से अलग था, इसमें रात में जोशीमठ के बड़े हिस्से में अचानक भूस्खलन देखा गया। जेपी कॉलोनी के बैडमिंटन कोर्ट के पास पानी का तेज बहाव खतरनाक था। आपदा के बाद राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने जांच की। जिसकी रिपोर्ट तैयार कर शासन को सौंपी गई है। रिपोर्ट के अनुसार जोशीमठ की आपदा का कनेक्शन यहां अक्तूबर 2021 में आई विनाशकारी बाढ़ से ताल्लुक रखता हैयहां अचानक उफने जेपी कॉलोनी के झरने के डिस्चार्ज डाटा को वैज्ञानिकों ने मापा था। जो 06 जनवरी को 540 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) था। जो कि करीब एक माह बाद दो फरवरी को घटकर 17 एलपीएम हो गया। वैज्ञानिकों ने अक्तूबर 2021 से जनवरी 2023 के बीच प्रवाहित पानी का आकलन किया तो पाया कि इसकी मात्रा जोशीमठ में आपदा के दौरान जमीन से फूटकर बाहर निकले पानी के ही बराबर थी। सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि जोशीमठ क्षेत्र विशेष रूप से उत्तर की ओर ढलान एक स्लाइडिंग क्षेत्र पर स्थित है, जहां नियमित उपकरणों के साथ मॉनिटरिंग जरूरी है। रिपोर्ट में सेटेलाइट रडार इंटरफेरोमेट्री से निगरानी की वकालत की गई है। इसके अलावा खतरनाक क्षेत्रों की मॉडलिंग एवं वर्गीकरण, खतरे का पूर्वानुमान की व्यवस्था को जरूरी बताया है।जोशीमठ आपदा के दौरान भौतिक सर्वे किया तो वैज्ञानिकों ने पाया कि नीचे नदी में जाने के लिए पानी के लिए रास्ता साफ बना दिख रहा था, लेकिन उसमें से पानी नहीं बह रहा था। कुछ दूरी तय करने के बाद जोशीमठ गायब हो जाता है। जोशीमठ के पश्चिम क्षेत्र में बारिश या बर्फ पिघलने के लिए पानी के प्रवाह के चैनल नदी तक बने होने चाहिए। जो गायब थे।जिससे वैज्ञानिकों को यह संकेत मिला कि पानी तीव्र ढलानों के चलते कहीं बीच रास्ते में पहाड़ी के भीतर जा रहा है। पानी के सिग्नेचर जांचने के लिए नमूने लिए गए तो वैज्ञानिकों की आशंका सही साबित हुई। इस दौरान पाया गया कि क्षेत्र में जिस जगह पर 16 झरने चिह्नित किए गए, वहीं पर अधिकांश धंसांव हुआ है।जोशीमठ में जनवरी 2023 की आपदा के कुछ माह बाद भी एक घर की दीवार पर कान लगाकर सुनने पर पानी के बहने आवाज आ रही थी। जिस पर एनआईएच के वैज्ञानिकों ने जांच की। जिसमें पाया कि सड़क पर दरार में से जा रहे पानी के बहने के चलते आवाज आ रही थी। जिसे बंद करने के

जोशीमठ में भूधंसाव से 2364 भवन हुए क्षतिग्रस्त,868 में दरारें

देहरादून। भूधंसाव के कारण खतरे में माने जाने वाले जोशीमठ शहर में सरकार उन भवनों का वजूद बनाए रखना चाहती है, जिन्हें कुछ जरूरी बदलाव के जरिये टिकाऊ बनाया जा सकता है। इस कवायद को अंजाम देने के लिए एक परामर्श एजेंसी का चयन करने की कवायद शुरू हो गई है। निविदा के जरिये चयनित होने वाली परामर्श एजेंसी सर्वे कर बताएगी कि जोशीमठ नगरपालिका क्षेत्र में ऐसे कितने भवन हैं, जिन्हें रेट्रोफिटिंग के जरिये रहने लायक व सुरक्षित बनाया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, जोशीमठ के भवनों की रेट्रोफिटिंग से पहले सर्वे कराने के लिए उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने परामर्श एजेंसी की खोज के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए प्राधिकरण ने निविदा आमंत्रित कर दी है। 11 अक्तूबर तक निविदा मांगी गई है। इसी तारीख को प्राप्त निविदाओं को खोल दिया जाएगा। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ.रंजीत सिन्हा ने का कहना इस दिशा में काम हो रहा है। हाल ही में जारी सीबीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जोशीमठ नगर पालिका क्षेत्र में 2364 भवनों को नुकसान हुआ है। इनमें से 20 प्रतिशत घरों को अनुपयोगी बताया गया है, जबकि 42 प्रतिशत के और मूल्यांकन की आवश्यकता जताई गई है। 37 प्रतिशत भवनों को उपयोग योग्य और एक प्रतिशत को ध्वस्त करने की आवश्यकता बताई है। जोशीमठ नगर पालिका के नौ वार्डों में स्थित आवासीय और व्यावसायिक भवनों में दरारें हैं। इनमें 181 भवन असुरक्षित क्षेत्र में हैं। इनके अलावा 868 ऐसे भवन हैं जिनमें दरारें हैं। इनमें गांधीनगर वार्ड में 156, पालिका मारवाड़ी में 53, लोअर बाजार में 38, सिंघधार में 156, मोहनबाग में 131, अपर बाजार में 40, सुनील में 78, परसारी में 55 और रविग्राम वार्ड में 161 भवन हैं।

हाईकोर्ट ने कॉर्बेट पार्क में जिप्सी पंजीकरण प्रक्रिया पर लगाई रोक

नैनीताल। नैनीताल हाईकोर्ट ने कॉर्बेट पार्क में चल रही पर्यटन वर्ष 2023-24 के लिए जिप्सी पंजीकरण प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और निदेशक कॉर्बेट पार्क को 30 अक्तूबर तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता इकरा परवीन, शिल्पेंद्र, पूरन सिंह, मोहन चंद्र और अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि कॉर्बेट पार्क में जिप्सी पंजीकरण 2023-24 के लिए कुछ जिप्सी माफिया के दबाव में उन लोगों को प्रतिभाग का मौका नहीं दिया जा रहा है जिनके पास परमिट और सभी वैध कागज हैं। याचिका में कहा गया कि उन्हीं को पंजीकरण दिया जा रहा है जो कॉर्बेट पार्क के जिप्सी व्यवसाय में पूर्व से ही पंजीकृत हैं। हर साल पंजीकरण के नाम पर उन्हीं का नवीनीकरण हो रहा है। याचिका में कहा गया कि इसके साथ ही कोर्ट के पूर्व के उस आदेश का भी उल्लंघन हो रहा है जिनमें पंजीकरण का विज्ञापन दो अखबारों में छपवाने के लिए कहा गया था। याचिका में कहा गया कि न तो कोई विज्ञापन छपवाया गया और ना ही वेबसाइट पर विज्ञापन दिया गया। मात्र कुछ एजेंटों के व्हाट्सएप पर पंजीकरण का गूगल फॉर्म जारी किया गया। उसमें भी यह शर्त थी कि आवेदक पूर्व से पंजीकृत होना चाहिए।

लालकुआं में 80 करोड़ से लगेगा पहला ऑटोमेटेड मिल्क प्लांट

देहरादून। उत्तराखंड में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नैनीताल जिले के लालकुआं में 80 करोड़ की लागत से ऑटोमेटेड मिल्क प्लांट लगाया जाएगा। इस प्लांट के लिए शासन स्तर पर सहमति मिल गई है। जल्द ही प्रस्ताव राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को भेजा जाएगा। इस प्लांट की क्षमता प्रतिदिन दो लाख लीटर दूध की होगी। यह प्रदेश का पहला ऑटोमेटेड प्लांट होगा। जिसमें दूध की टेस्टिंग से लेकर पैकेजिंग का काम आधुनिक मशीनों से किया जाएगा। दुग्ध विकास विभाग के माध्यम से प्रदेश भर में 11 मिल्क प्लांट संचालित है। 2600 दुग्ध सहकारी समितियों से 50 हजार से अधिक किसान जुड़े हैं। प्रतिदिन लगभग दो लाख लीटर दूध एकत्रित किया जाता है। प्रदेश सरकार का दुग्ध उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य है। लेकिन अभी तक प्रदेश में बड़ा ऑटोमेटेड मिल्क प्लांट नहीं है। विभाग ने लालकुआं में वर्षों पुराने मिल्क प्लांट का विस्तार 80 करोड़ से मिल्क प्लांट लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। विभाग के संयुक्त निदेशक जयदीप अरोड़ा ने बताया कि इस प्लांट के लगने से कुमाऊं क्षेत्र से एकत्रित दूध की मार्केटिंग को बढ़ावा मिलेगा। प्लांट में आधुनिक मशीनों से दूध में टेस्टिंग और पैकेजिंग की जाएगी।

उत्तराखंड में स्वैच्छिक रक्तदान के लिए 1.94 लाख लोगों ने किया पंजीकरण

देहरादून। स्वैच्छिक रक्तदान के लिए उत्तराखंड ने देशभर में रिकॉर्ड बनाया है। केंद्र सरकार के ई-रक्तकोष पोर्टल पर राज्य के 1.94 लाख लोग पंजीकरण कर चुके हैं। प्रदेश में 59 ब्लड बैंक संचालित हैं। इनकी क्षमता 29 हजार यूनिट ब्लड रखने की है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया, 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक आयुष्मान भव अभियान के तहत सेवा पखवाड़े का आयोजन जा रहा है। हर जिले में राजकीय अस्पताल, वेलनेस सेंटरों, शिक्षण संस्थानों में रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं।सेवा पखवाड़े के तहत अब तक 654 रक्तदान शिविरों में 29 सितंबर तक 1.08 लाख लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान के लिए ई-रक्तकोष पर पंजीकरण कराया है। इन्हें मिलाकर कुल पंजीकरण की संख्या 1.94 लाख हो गई है। दो अक्तूबर तक यह आंकड़ा दो लाख पहुंचाने का लक्ष्य है। शिविरों में देहरादून जिले में सर्वाधिक 19,412, पिथौरागढ़ में 17,375, नैनीताल 12,225, पौड़ी में 10,550, टिहरी में 10,348, हरिद्वार में 9,586, ऊधमसिंह नगर में 9,252, अल्मोड़ा 6,591, चमोली 3,357, उत्तरकाशी 3,400, चंपावत 2,462, रुद्रप्रयाग 1,884 और बागेश्वर में 1,752 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया।

उत्तराखंड में ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी और झुग्गी झोपड़ी के पास बनेंगे मतदान केंद्र

राज्य में स्थापित 11,647 मूल मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण प्रस्ताव आयोग को भेजे

देहरादून(उद संवाददाता)। आगामी लोकसभा चुनाव में शहरी क्षेत्रों की ऊंची इमारतों व झुग्गी-झोपड़ी के पास भी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसकी कसरत निर्वाचन कार्यालय ने शुरू कर दी है। शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी षणमुगम की अध्यक्षता में मतदान प्रतिशत बढ़ाने, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की उदासीनता कम करने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक हुई। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, शहरी क्षेत्र के मतदाता मतदान के प्रति उदासीन रहते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए आयोग की ओर से ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी और ऊंची इमारतों के परिसरों व शहरी, अर्द्ध शहरी क्षेत्रों के आसपास की झुग्गी-झोपड़ी समूहों के पास ही मतदान केंद्र बनाने के लिए मतदेय स्थलों की मानकीकरण व पुनर्निर्धारण का काम कर रहा है। बताया, वर्तमान में राज्य में स्थापित 11,647 मूल मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण, संशोधन, परिवर्तन प्रस्ताव आयोग को भेजे गए हैं पुनर्निधारण में मतदाताओं के लिए दो किमी से अधिक पैदल दूरी से 99 मतदेय स्थल नए प्रस्तावित किए गए हैं। वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक होने से पांच मतदेय स्थल

बढ़ाए गए है। इस प्रकार के कुल 104 मतदेय स्थलों की वृद्धि हुई है। इसके अलावा एक ही भवन में एक से अधिक मतदेय स्थलों की समीक्षा में 27 मतदेय स्थलों को समायोजित कर कम किया गया है। 121 मतदेय स्थलों के कुछ ग्राम, वार्ड, मुहल्ले (अनुभाग) आदि को मतदाताओं की सुविधा के मुताबिक, उसी मतदान क्षेत्र के अंतर्गत अन्य मतदेय स्थल में शामिल किया गया है। 524 मतदेय स्थल भवनों से संबंधित शिक्षण संस्थानों के उच्चीकरण, मतदेय स्थल भवनों के नाम में परिवर्तन, संशोधन के बाद मतदेय स्थल भवन के नाम में परिवर्तन और 187 मतदेय स्थल भवन के क्षतिग्रस्त होने या जीर्ण-शीर्ण होने से अन्य उपयुक्त शासकीय भवन में भवन परिवर्तन का प्रस्ताव है। समायोजन के बाद प्रदेश में मतदेय स्थलों की संख्या बढ़कर 11,724 हो गई है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रस्ताव समय से देने को कहा। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तूदास, आम आदमी पार्टी के जोत सिंह बिष्ट, भाजपा के पुनीत मित्तल, राजीव शर्मा, संजीव विज, कांग्रेस से अमरजीत सिंह, बसपा के प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे।

निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पने वाली पुष्पांजलि ग्रुप के डायरेक्टर को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

देहरादून(उद संवाददाता)। निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पने वाली पुष्पांजलि रियलम्स के डायरेक्टर राजपाल वालिया को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। उस पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस मामले में ईडी वालिया की पत्नी शैफाली को मेरठ से गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि, मुख्य आरोपी दीपक मित्तल और और उसकी पत्नी राखी मित्तल फरार हैं। वर्ष 2020 में मुजफ्फरनगर और देहरादून के कई लोगों ने पुष्पांजलि रियलम्स पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने शुरूआत में डालनवाला थाने में पुष्पांजलि के मालिक दीपक मित्तल, पत्नी राखी मित्तल, डायरेक्टर राजपाल वालिया आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद एक-एक कर कई शिकायतें पुलिस के पास आईं। इनमें राजपुर और डालनवाला थाने में एक के बाद एक दस मुकदमे दर्ज हुए। उस वक्त मित्तल विदेश में रह रहा था। उसने वापस आकर निवेशकों की रकम लौटाने का वादा किया था। वह आया तब तक उसके हाथ में कोर्ट का स्टे ऑर्डर था। इस पर पुलिस ने उस पर गैंगस्टर की कार्रवाई की तो वह फिर लापता हो गया है। दीपक और राखी मित्तल में पचास पचास हजार का इनाम घोषित है। डायरेक्टर राजपाल वालिया के खिलाफ भी पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि आरोपी राजपाल वालिया को नैनीताल से बीती रात गिरफ्तार किया गया है।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

आवश्यकता है
रूद्रपुर नैनीताल रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में किचन हेतु एक अनुभवी कारीगर (इंडियन/चाईनीज)की आवश्यकता है।
जिसे दो से तीन वर्ष का अनुभव हो।
-: सम्पर्क करें:-
9012586701
8393920958

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज छात्रावास का ढांचा होगा ध्वस्त

रुद्रपुर। निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का ढांचा ध्वस्त करने के लिए 80 लाख रुपये का टेंडर निकाल दिया गया है। वहीं भवन के ध्वस्त होने के बाद 265 करोड़ रुपये की लागत से ग्रेटर नोएडा की लीसा इंजीनियर्स कंपनी नया निर्माण शुरू करेगी। मेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, एकेडमिक बिल्डिंग, एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक आदि का निर्माण होगा। मेडिकल कॉलेज के चहारदीवारी का भूमि पूजन बुधवार को ही पेयजल निगम के अधिशासी अभियंताओं ने कर दिया है। पेयजल निगम की ओर से निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज ने ध्वस्त करने के लिए 80 लाख रुपये का टेंडर निकाला है। बता दें कि, मेडिकल कॉलेज छात्रावास के 14 भवनों की नींव, ढांचा और कॉलम को ध्वस्त किया जाएगा। वर्षों पहले मेडिकल कॉलेज के छात्रावास, प्रशासनिक भवन, चिकित्सकों के आवास निर्माण का जिम्मा ईपीआईएल कंपनी को दिया गया था। शिकायत मिलने के बाद शासन की ओर से पेयजल निर्माण इकाई को कार्यदायी संस्था बना दिया गया। उसके बाद पेयजल निगम ने आईआईटी रुड़की से पुराने निर्माण की जांच कराई तो विशेषज्ञों ने छात्रावास की नींव और ढांचे पर कई आपत्तियां लगाई थीं। स्वास्थ्य सचिव ने निर्माणाधीन भवन को ध्वस्त कर नए सिरे से निर्माण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पेयजल निगम के अभियंताओं ने मेडिकल कॉलेज के ढांचे को तोड़ने के लिए मुख्यालय में प्रस्ताव भेजा था।

बिकाऊ है
करतार पुर रोड पर बेहत फार्म स्थित 22 एकड़ कृषि भूमि।
घर,गोदाम,पार्किंग शैड, ट्यूबवैल आदि मौजूद
सम्पर्क करें:
09815123221, 09779777117

बाईपास मार्ग पर नगर निगम ने भरवाये गड्ढे

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर निगम ने शहर की सड़कों को गडमुक्त करने का अभियान शुरू कर दिया है।

इसकी शुरूआत काशीपुर बाईपास मार्ग से की गयी। बता दें बरसात के चलते शहर की कई सड़कों की हालत जर्जर हो चुकी है। जिसके चलते आवागमन में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। काशीपुर बाईपास मार्ग की खस्ता हालत को लेकर बीते दिनों व्यापारियों ने प्रदर्शन भी किया था। बरसात खत्म होने के बाद शनिवार को मेयर रामपाल सिंह के निर्देश पर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान शुरू किया गया। मेयर रामपाल ने काशीपुर बाईपास मार्ग पर सड़कों के गड्ढे भरवाये। इस दौरान उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र की सभी सड़कों को जल्द ही गड्ढामुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरसात के कारण सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों के निर्माण का काम रूका हुआ था। अब मानसून खत्म होने के बाद नई सड़कों के निर्माण के साथ ही सड़कों की मरम्मत का काम भी शुरू हो चुका है। जल्द ही सड़कों को सुधारकर आवागमन दुरूस्त किया जाएगा। मेयर ने कहा कि कई सड़कों के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हो चुका है। जल्द ही इन सड़कों का निर्माण शुरू किया जाएगा। उन्होनें कहा कि विकास कार्य जनभावनाओं के अनुरूप कराये जा रहे हैं। विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।इस अवसर पर पार्षद मोहनखेड़ा नगर निगम के वर्क एजेंट मनोज गहतोड़ी, लक्की सुखीजा आदि मौजूद रहे।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र मानस की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

धन सिंह रावत समेत तमाम लोगों ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

काशीपुर। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय नरेंद्र सिंह मानस की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों शुभेच्छुओं एवं शिक्षा तथा व्यापार के क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन बाजपुर रोड स्थित विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित किया गया इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत प्रमुख रूप से मौजूद रहे। दिवंगत भाजपा नेता स्वर्गीय नरेंद्र सिंह मानस की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े दर्जनों युवाओं ने रक्तदान करते हुए दिवंगत की आत्मा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। अपने उद्बोधन में उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि दिवंगत नरेंद्र सिंह मानस के जीवन का लगभग तीन दशक पार्टी को एवं समाज सेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि उधम सिंह नगर के

अलावा प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती दिलाने में दिवंगत नरेंद्र सिंह मानस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संगठन के लिए दिए गए उनके इस योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर शिव प्रताप सिंह, विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रबंधक मानवेंद्र सिंह मानस, विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद राव, अनुसूचित आयोग के मुकेश जी, संघ के जिला प्रचारक सौरभ जी, रामानंद यादव, चंद्रशेखर तिवारी, राम मेहरोत्रा, पवन कुमार टोनी, शिववर्धन, श्याम मोहन, रजत सिद्धू, अभिषेक गोयल, बृजेश पाल, अरविंद पांडे, कमलेश कुमार, रामानंद यादव, आकाश गर्ग, गुलाब सिंह, डा जे बी सिंह, अशोक सिंह, प्रमोद तोमर, संदीप सहगल, राशिद फारुखी, मनोज राय, श्रीमती निशा सिंह, मोनू चौधरी, सचिन चौधरी, अंजली सिंह, सावित्री राव, उषा चौधरी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम आरसी तिवारी ने किया पेपर मिलों का निरीक्षण

बाजपुर(उद संवाददाता)। शिकायत के आधार पर एसडीएम आरसी तिवारी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम के साथ क्षेत्र की तीन पेपर मिल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पेपर मिल में वेस्ट पॉलीथिन का भंडारण उचित नहीं मिला। पीसीबी की तरफ से पेपर मिल संचालकों को स्पष्टीकरण का नोटिस भेजा जाएगा। साथ ही वेस्टेज प्लास्टिक को कैसे डिस्पोज किया गया इसकी जांच की जाएगी। शुक्रवार शाम शिकायत पर एसडीएम आरसी तिवारी, पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी नरेश गोस्वामी, तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट ने टीम के साथ पीएसपी पेपर मिल, महालक्ष्मी पेपर मिल, शुक्लाम्बरा

पेपर मिल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मिलों में वेस्टेज प्लास्टिक का भंडारण उचित नहीं मिला। इस पर अधिकारियों ने पेपर संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी नरेश गोस्वामी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पेपर मिलों में कच्चा माल के साथ में आने वाले वेस्टेज प्लास्टिक का भंडारण उचित अवस्था में नहीं मिला है। तीनों मिल के खिलाफ अलग-अलग प्रदूषण फैलाने की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर स्थलीय निरीक्षण कर पड़ताल की गई है। पेपर मिल प्रबंधन ने वेस्टेज प्लास्टिक का डिस्पोजल करना बताया है। इसकी जांच की जाएगी। खामियां मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अपर महानिदेशक ने किया एसएसपी कार्यालय का निरीक्षण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।अपर महानिदेशक लॉ एण्ड ऑर्डर एपी अंशुमान ने एसएसपी कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सबसे पहले सीओ पंतनगर, एसपी क्राइम, डीसीआरबी में तैनात कर्मियों से जानकारी ली। एडीजी पीआरओ, रीडर औफिस, रिकॉर्ड रूम, एसपी सिटी समेत एसडीएम कार्यालय में स्थित कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। इससे पहले यहां पर पहुंचने पर उन्हें सलामी दी गई। इसके बाद एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी ने बुकें देकर स्वागत किया। इस मौके पर एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल, एसपी क्राइम मनीषा जोशी,सीओ संचार आरडी मठपाल,आरआई वेद प्रकाश, पेशकार इंस्पेक्टर सलाउद्दीन आदि मौजूद थे।

जीवन व स्वतंत्रता सम्बन्धी सूचना की अपील का निपटारा 48 घंटे में करना होगा

उत्तराखंड शासन ने सूचना आयोग के निर्देश पर जारी किया शासनादेश

काशीपुर(उद संवाददाता)। सूचना अधिकार अधिनियम में जीवन व स्वतंत्रता सम्बन्धी सूचनायें 48 घंटे का प्रावधान है लेकिन इसके प्रथम अपील निपटारे का समय स्पष्ट न होने के चलते सामान्य सूचनाओं वाली अपीलों के समान 30 से 45 दिन में अपीलों का निपटारा किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में उत्तराखंड सूचना आयोग के निर्देश पर शासनादेश संख्या 704 जारी करके ऐसी अपीलों का निपटारा अपील संख्या 917 में दिये गये आदेशों के अनुरूप 48 घंटे में करने के आदेश दिये गये है।काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन की प्रार्थना पर अपील संख्या 917 (नदीम उद्दीन बनाम प्रभारी निरीक्षक कोतवाली काशीपुर व अन्य) के आदेश दिनांक 17-11-2008 से जीवन तथा स्वतंत्रता से सम्बन्धित सूचनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत गाइड लाइन जारी करके इसके पालन के आदेश दिये गये थे। लेकिन इसका पूर्ण पालन नहीं हो रहा था। इस सम्बन्ध में उत्तराखंड सूचना आयोग के संज्ञान में आने पर आयोग ने अपने पत्रांक 11137 दिनांक 15-02-23 से इसके पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश उत्तराखंड शासन के सामान्य प्रशासन विभाग को दिये। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस पर शासनादेश संख्या 704 दिनांक 04 मई 2023 जारी किया गया है। नदीम उद्दीन द्वारा सूचना सम्बन्धी शासनादेशों की सूचना मांगने पर लोक सूचना अधिकारी (प्रभारी)/ समीक्षा अधिकारी योगेश भट्ट ने अपने पत्रांक 1384 दिनांक 29 अगस्त 2023 के साथ श्री नदीम को इस शासनादेश की सत्यापित फोटो प्रति उपलब्ध करायी है। श्री नदीम को उपलब्ध शासनादेश संख्या 704 दिनांक 04 मई 2023 में उत्तराखंड सूचना आयोग के पत्र संख्या 11137 का संदर्भ देते हुये उत्तराखंड सूचना आयोग में योजित द्वितीय अपील संख्या 917/2008 में पारित आदेश के पैरा 6. 6 में जीवन और स्वतंत्रता से सम्बन्धित प्रथम अपील के निस्तारण के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने को आदेशित किया है। शासनादेश में पैरा 6. 6 के निर्देशों को भी उद्धरित किया है। इसके अनुसार यदि कोई आवेदक जिसने अपने प्रार्थना पत्र में सूचनायें जीवन या स्वतंत्रता से सम्बन्धित होने का तथ्य स्पष्ट किया है और उसे लोक सूचना अधिकारी द्वारा 48 घंटे में सूचनायें उपलब्ध नहीं करायी जाती है या नियम विरूद्ध शुल्क मांगा जाता है और इस निर्णय के विरूद्ध वह विभागीय अपीलीय अधिकारी को धारा 19(1) के अन्तर्गत अपील करता है तो इस बिन्दु पर इसका निस्तारण अत्याधिक शीघ्रता से, जहां तक संभव हो 48 घंटे के भीतर किया जायेगा। यदि अपीलीय अधिकारी को लगता है कि सूचनायें जीवन या स्वतंत्रता से सम्बन्धित है तो वह लोक सूचना अधिकारी को तुरंत आदेश देकर सूचनायें दिलाना सुनिश्चित करेगा। अगर विभागीय अपीलीय अधिकारी का निष्कर्ष है कि सूचनायें जीवन या स्वतंत्रता से सम्बन्धित नहीं है तो वह अपने निष्कर्ष कारणों सहित आवेदक/अपीलार्थी को सूचित करेगा।सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव विनोद कुमार सुमन के हस्ताक्षरों से जारी इस शासनादेश में सूचना आयोग द्वारा पारित आदेश के अनुरूप प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु अधीनस्थ विभागों/निदेशालयों/निगमों आदि के विभागीय अपीलीय अधिकाारियों को अपने स्तर से निर्देशित करने के आदेश भी उत्तराखंड शासन के समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव तथा सचिवों को दिये गये हैं।

ब्लूमिंग डेल्स में स्मृति कार्यशाला आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।ब्लूमिन्ग डेल्स मॉडर्न स्कूल में गौतम हॉस्पिटल के संचालक एवं स्नायु शल्य चिकित्सक (न्यूरोसर्जन) डॉक्टर सुनील सिंह गौतम द्वारा स्मृति सम्बंधित समस्याओं तथा उनके समाधान हेतु छात्र छात्राओं को विभिन सरल विधियों तथा तकनीकों से अवगत कराया। डॉक्टर सुनील सिंह गौतम द्वारा विभिन आकृतियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं का स्मृति परीक्षण भी किया गया। इनकी बतायी विधियों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण निमोनिक्स , फोनिटिक कोड , चंकिंग तथा मिक्सिंग छात्र-छात्राओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पंकज लोहनी, संचालक विजय गिरधर , प्रबंधक श्रीमती नीलम धंजू तथा समस्त अध्यापक और अध्यापिकाएं उपस्तिथ रहे।

मुख्यमंत्री कार्यालय में बनेगा अप्रवासी उत्तराखण्डी सेल

ब्रिटेन दौरे से लौटे सीएम पुष्कर सिंह धामीः उत्तराखंड में 12 हजार 500 करोड़ का आर्थिक निवेश पर किया करार

उत्तराखण्ड और ब्रिटेन के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाने पर भी सहमति बनी

नई दिल्ली/देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रिटेन दौरे से नई दिल्ली आगमन के बाद शुक्रवार को मीडिया से बातचीत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यू.के. में आयोजित विभिन्न बैठकों में राज्य में लगभग 12,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर करार हुआ। उन्होंने कहा कि अपने अप्रवासी भाई-बहनों और उत्तराखण्ड सरकार के बीच बेहतर सामंजस्य बनाने और उनके निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में एक अप्रवासी उत्तराखण्डी सेल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री धामी ने बताया कि ब्रिटेन के पर्यटन मंत्री के साथ उत्तराखण्ड और ब्रिटेन के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाने पर भी सहमति बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्रांस के पोमा ग्रुप के साथ हुई बैठक में उत्तराखण्ड के पर्यटन क्षेत्रों और सुदूर क्षेत्रों को रोपवे द्वारा जोड़ने तथा जन परिवहन की दृष्टि से

इस माध्यम को प्रयोग में लाने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये का करार किया गया है। उन्होंने बताया कि पोमा ग्रुप द्वारा राज्य में देश का पहला रोपवे मैन्युफैक्चरिंग पार्क विकसित किए जाने के संदर्भ में संभावनाएं तलाशने के लिए कार्य करने का भी प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केबल कार परिवहन व्यवस्था विकसित करने, औली, दयारा बुग्याल और मुनस्यारी में शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने हेतु विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन विकसित किए जाने पर सहमति जताते हुए अमेरिका के के.एन. ग्रुप के साथ 4,800 करोड़ रुपये का निवेश करार किया गया। ब्रिटिश पार्लियामेंट के लार्ड मेयर और बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कुलपति बिली मोरया के साथ हुई बैठक में उत्तराखण्ड में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं के विषय में चर्चा की गई। उनके द्वारा उत्तराखण्ड में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाने के लिए सहमति जताई गई। उन्होंने कहा कि जर्मन एंबेसी के अधिकारियों के साथ बैठक में जर्मनी द्वारा तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विकास के संबंध में उत्तराखण्ड को सहयोग देने के साथ-साथ हमारे कुशल कर्मकारों को जर्मनी में कार्य करने को बुलाने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। लंदन नगर निगम के लार्ड मेयर के साथ उत्तराखण्ड के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए वित्तीय व्यवस्था के संबंध में बॉन्ड मार्केट से फंड रेज्ड करने के लिए तकनीकी सहयोग के लिए भी बैठक हुई।

लंदन में ऐसा लग रहा था..उत्तराखंड में ही हूं!

उत्तराखंड में विकास के माडल और आपदा प्रबंधन पर होगा वैश्विक सेमिनार : धामी

देहरादून। उत्तराखंड ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के लिये विदेश दौरे से लौटकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि उत्तराखंड में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिये सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। प्रवासी उत्तराखंडी निनेशकों को सरकार की विशेष नीतियों का लाभ मिलेगा और इसका प्रचार प्रसार किया जायेगा। सीएम धामी ने कहा कि इंग्लैंड स्थित भारतीय दूतावास में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों के साथ बैठक में उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों में तेजी लाने की योजना पर चर्चा कर नई पर्यटन नीति की जानकारी दी गई। सीएम ने कहा कि हीथ्रो एयरपोर्ट पर उत्तराखंड के प्रवासियों ने गर्मजोशी से उत्तराखंडी रीति रिवाजों और वाद्य यंत्रों से स्वागत किया। वह भाव-विभोर करने वाला पल था। शाम को लंदन में उत्तराखंड के प्रवासियों की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। ऐसा लग रहा था कि वे लंदन में नहीं बल्कि उत्तराखंड के ही किसी शहर में अपने भाई-बहनों से मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हर साल उत्तराखंड को अत्यधिक बारिश और बर्फबारी के कारण आपदाओं का सामना करना पड़ता है। इसको ध्यान में रखते हुए हम विकास का एक मॉडल तैयार कर रहे हैं। खासकर अमृत काल के लिए। हमारा मॉडल पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था को संतुलित करना है ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। धामी ने कहा कि हिमालय को सुरक्षित और संरक्षित रखना चाहिए। आपदा प्रबंधन पर विचार-मंथन के लिए नवंबर में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे और कई पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

व्यापार मंडल प्रदेश कार्यकारिणी का गढ़वाल दौरा संपन्न

व्यापारियों की मूलभूत समस्याओं को जाना

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तराखंड के प्रान्तीय अध्यक्ष नवीन वर्मा महामंत्री, प्रकाश मिश्रा एवं कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद गोयल का नवनिर्वाचित होने के उपरांत तीन दिवसीय गढ़वाल मंडल दौरा संपन्न हुआ। दौरा हरिद्वार से प्रारंभ होकर ऋषिकेश, टिहरी, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर, कर्ण प्रयाग में पहुँचकर संपन्न हुआ। जिसमें नगर इकाइयों में रोड शो और नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से व्यापारियों से संपर्क किया गया एवं नई ऊर्जा के साथ व्यापारियों के उत्थान हेतु कार्य करने का आश्वासन दिया। सभी जिलों में व्यापारियों द्वारा फूलमालाओं और ढोल नगाड़ों के साथ पदाधिकारियों की अगवानी की गई। साथ ही अपनी प्रमुख समस्या आपदा में राहत का पात्र बनाने, राज्य मार्गों के किनारे बसे व्यापारियों को पीडब्लूडी, फॉरेस्ट विभाग द्वारा अतिक्रमण के नाम पर प्रताड़ित करने, ऑन लाइन व्यापार पर अंकुश लगाने और जीएसटी के सरलीकरण करने जैसे मुद्दें उठाये। जिन पर सरकार से वार्ता कर राहत दिलाने संबंधित चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री ने हर सम्भव सहयोग और संघर्ष करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने कहा कि संगठन की हर

छोटी बड़ी इकाई की हर समस्यों के समाधान हेतु संगठन कटिबद्ध है। लेकिन नगर एवं जिला इकाइयों के योगदान के बिना कोई लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। इसलिए सभी को प्रदेश नेतृत्व के साथ मजबूती से संघर्ष करना होगा। संगठन के निर्देशों का पालन करना होगा। दौरे में प्रदेश संरक्षक अनिल गोयल (देहरादून), कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद गोयल (उधमसिंह नगर), प्रदेश उपाध्यक्ष माधव प्रसाद सेमवाल (जोशीमठ), सुरेश बिष्ट (मेहलचोरी), प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्र शेखर पंत(हल्द्वानी), जिलाध्यक्ष नैनीताल विपिन गुप्ता, जिला महामंत्री हर्ष वर्द्धन पांडे, प्रदेश संयुक्त महामंत्री अतीक अहमद शामिल रहे।हरिद्वार जिलाध्यक्ष सुरेश गुलाटी, ऋषिकेश जिलाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, टिहरी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कंडारी, श्रीनगर जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी, रुद्रप्रयाग जिलाध्यक्ष अंकुर खन्ना, चमोली जिलाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद मैखुरी मीडिया प्रभारी टीका प्रसाद मैखुरी सहित सभी ने अपने अपने जिलों की टीम के साथ प्रांतीय पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने टिहरी झील का निरीक्षण कर वहां के व्यापारियों से टिहरी बांध में पर्यटन को बढ़ावा देने के संदर्भ में वार्ता की और उनकी समस्याओं को सुना। जिसमें कोटी के व्यापारियों द्वारा पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पर्यटन विभाग संबंधित समस्याओंसे अवगत कराते हुए उनके निदान की मांग की।

शिक्षिका भीमताल झील में कूदी, युवकों ने बचाया

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। अज्ञात कारणों के चलते मुखानी थाना क्षेत्र निवासी काठगोदाम के एक प्रतिष्ठित स्कूल की शिक्षिका ने भीमताल स्थित झील में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। लेकिन यह सब नजारा देख रहे कुछ युवको ने तत्काल झील में छलांग लगाकर महिला को सकुशल झील से बाहर निकल उसकी जान बचा ली। पुलिस ने घटना की जानकारी उनके पति को दी। जिसके आने पर महिला को समझा बुझाकर आवश्यक कार्रवाई कर उसके साथ घर वापस भेज दिया। बताया जाता है शुक्रवार की दोपहर मुखानी थाना क्षेत्र हल्द्वानी की रहने वाली काठगोदाम के एक प्रतिष्ठित स्कूल की शिक्षिका भीमताल पहुंची और उसने भीमताल झील में कूद मार दी। इससे मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। महिला को बचाने के लिए स्थानीय दो युवकों ने झील में छलांग लगा दी। काफी प्रयासों के बाद दोनों युवकों ने महिला को झील से सकुशल बाहर निकाला। मामले की सूचना मिलने पर महिला एसआई सिमरन कौर, कांस्टेबल सुमित चौधरी महिला को थाने ले गए। पुलिस ने महिला के पति को घटना की सूचना दी। इसके बाद महिला का पति भीमताल थाने पहुंचा। शिक्षिका को समझाने के बाद पति के साथ घर भेज दिया गया।

राठौर साहू समाज का प्रदेश सम्मेलन आठ को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तराखंड द्वारा आगामी 8 अक्टूबर को रुद्रपुर के सिटी क्लब में राठौर साहू समाज का प्रदेश सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु सांसद रामदास, नगर पालिका नवाबगंज की अध्यक्ष प्रेमलता राठौर, संगठन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष रामनारायण साहू, पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश, नंदलाल साहू प्रमुख रूप से भाग लेंगे। उक्त जानकारी देते हुए भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक ललित राठौर ने बताया कि कार्यक्रम 8 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से रुद्रपुर सिटी क्लब में आयोजित किया जाएगा।इस दौरान साहू राठौर तेली समाज की प्रमुख समस्याओं और विचार विमर्श किया जाएगा

पर्वतीय बीजों के उत्पादन से आर्थिक स्थिति सुधारेगा निगम: आनंद वर्धन

पंतनगर/रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अपर मुख्य सचिव/कृषि उत्पादन आयुक्त/अध्यक्ष उत्तराखण्ड सीड्स एण्ड टीडीसी आनंद वर्धन ने गांधी हॉल में आयोजित टीडीसी की 49वीं, 50वीं एवं 51वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अंशधारियों/ कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्तमान वर्ष को मिलेट्स वर्ष घोषित किये जाने पर निगम द्वारा वर्तमान में मण्डुआ, मादिरा, गहत, रामदाना, काला भट्ट आदि का लगभग 12000 कुन्तल बीज तैयार कर उत्तराखण्ड राज्य को आपूर्ति किया गया है, जिसे मांग के अनुसार और बढ़ाने की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निगम के पुनरूत्थान हेतु किये गये आवश्यक प्रयासों के तहत् वर्ष 2019-20 में लाभ की स्थिति में आया है। उन्होने कहा कि गतवर्ष निगम द्वारा उत्पादित समस्त बीज मात्रा का विक्रय सुनिश्चित किया गया है, जिससे निगम को आने वाले समय में लाभ में लाने की स्थिति बनने की आशा जगी है। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि निगम पुनः अपने वर्तमान संकट की स्थिति से बाहर निकलकर नयी ऊंचाइयों को छुएगा, राज्यों जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, प. बंगाल एवं पंजाब आदि राज्यों में की जा रही है। निगम के प्रबंध निदेशक/जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित कृषक अंशधारियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान रबी 2023-24 में निगम प्रबंधन द्वारा अनेकों विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए उपलब्ध बीज मात्रा के विक्रय के सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होने कहा कि आगामी सत्र में व्यवसाय में वृद्धि किये जाने की नयी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसके तहत् विविधिकरण योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड सहित अन्य राज्यों में सब्जी बीज, जैविक खाद, जैविक रसायन आदि की आपूर्ति हेतु विभिन्न फर्मों से एमओयू किये जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि निगम के वर्तमान व्यावसायिक/ तकनीकी कार्मिकों की कमी के दृष्टिगत निगम के कार्मिक ढांचे में परिवर्तन कर इसका पुनर्गठन किया जा रहा है। साथ ही अन्य प्रयास भी किये जा रहे हैं, जिससे निगम राज्य की बीज आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए प्रतिस्पर्धा वाले बाजार में मजबूती से स्थापित हो सकेगा। इस दौरान कृषक अंशधारी राजेन्द्र पाल सिंह, एनके तिवारी, विजय भुड्डी, डीएन मिश्रा, सुरेन्द्र नरूला, टीकम सिंह खेड़ा, ओपी श्रीवास्तव, धर्मपाल, अविनाश गुप्ता, जीएस बरार आदि ने निगम के उत्थान हेतु सुझाव प्रस्तुत किये, जिनपर अपर मुख्य सचिव श्री आनंद वर्धन ने सकारात्मक पहल करने का आवश्वासन दिया। इस अवसर पर निगम के महाप्रबंधक/मुख्य कृषि अधिकारी डा. एके वर्मा द्वारा अपर मुख्य सचिव/कृषि उत्पादन आयुक्त, जिलाधिकारी सहित उपस्थित सभी अंशधारियों/ कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में निदेशक अनुसंधान केन्द्र डा. एके नैन, मुख्य महाप्रबंधक फार्म, डा. जयन्त सिंह, कृषक निदेशक मुकुल माहेश्वरी, अंकुर पपनेजा, समर पाल सिंह ग्रेवाल, पृथपाल सिंह, डा. दीपक पाण्डेय (राष्ट्रीय बीज निगम), मुख्य बीज उत्पादन अधिकारी/प्रभारी कंपनी अफेयर्स डा. दीपक पाण्डेय, रोहन सांगुड़ी, जीसी तिवारी, श्रीमती इंद्रावती, रीता आर्या, कमल श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, अंगद सिंह, पीके सिंह, दिगम्बर प्रसाद, उपेन्द्र सिंह, आदि उपस्थित थे।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। 7 वी उत्तराखण्ड सीनियर स्टेट बास्केटबॉल का उद्घाटन मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा एवं सुरजीत सिंह ग्रोवर अध्यक्ष फैंसिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड तथा प्रदेश मंत्री भाजपा विकास शर्मा द्वारा सयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरजीत सिंह ग्रोवर अध्यक्ष फैंसिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप मेंपरिवहन अधिकारी विपिन चंद्र रहे। जिला सचिव रमेश चंद्र लोहनी ने बताया कि 7 वी उत्तराखण्ड सीनियर स्टेट बास्केटबॉल प्रतियोगिता में 13 जिलों में देहरादून, हरिद्वार, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा, नैनीताल के अलावा हल्द्वानी, रुड़की, कुमाऊं विश्वविद्यालय की पुरुष तथा महिला की 24 टीमों के खिलाडियो ने प्रतिभाग किया। जिसमे लीग कम नॉक आउट आधार में मैच खेला गया। जिसमे महिला वर्ग में प्रथम लीग मैच हरिद्वार एवं हल्द्वानी (57/27) दूसरा लीग मैच नैनीताल एवं हरिद्वार (30/05) तथा पुरुष वर्ग में प्रथम लीग मैच पिथौरागढ़ एवं पौड़ी(61/14) दूसरा लीग मैच कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल एवं देहरादून (22/64) तीसरे लीग मैच चंपावत एवं उत्तरकाशी (50/29) अंक अर्जित कर अगले लीग मैचों के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। क्षेत्रीय विधायक द्वारा विभिन्न जिलों से आयी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। इस अवसर पर एआरटीओ परिवहन विभाग उधम सिंह नगर द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर बास्केटबॉल एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के कोषाध्यक्ष अजय राठी, एआरटीओ विपिन सैनी, ओएनजीसी के अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी दिनेश कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी गिरीश कुमार, अंकुश रौतेला, सुभाष पांडेय, विवेक, गोविंद, संजय रावत, सुमित, हरीश, सुधा जोशी आदि उपस्थित रहे।

लिटिल किंग्डम स्कूल के बच्चों ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। लिटिल किंग्डम प्रिप्रेटरी स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा आज प्रातः स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता रैली निकाली। रैली को प्रधानाचार्या हरविन्दर पुरी व विद्यालय संचालक लक्ष्य शर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विद्यालय से रवाना किया। रैली विद्यालय से प्रारम्भ होकर डीडी चौक, बाटा चौक, मुख्य बाजार, भगतसिंह चौक, काशीपुर बाईपास रोड़ होते हुए वापस विद्यालय में सम्पन्न हुई। इस दौरान स्कूली बच्चों ने स्वच्छता के प्रति स्लोगन लिखी पोस्टर से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान विकास शर्मा, शारिक खान, शिवानी सोनकर, पारूल वार्ष्णेय, गरिमा सिंह, नेहा बेहड़, प्रिया श्रीवास्तव, सुमन जोशी, गायत्री खन्ना, प्रीति यादव, मानसी सिंह आदि मौजूद थे।

सांसद मनोज झा का बयान निंदनीय: संजीव

किच्छा(उद संवाददाता)।अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री संजीव कुमार सिंह नें प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि राजग के सांसद मनोज झा नें राज्यसभा में ठाकुरों के बारे में कवितापाठ के माध्यम से जो अनर्गल वक्तव्य दिया है, क्षत्रिय समाज उसकी घोर निंदा करता है। ऐसे लोग समाज में आपसी द्वेष एवं घृणा पैदा करते हैं। उन्होंने मनोज झा जैसे लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की जिससे कि दूसरे लोगों को भी सबक मिले और कोई भी भविष्य में किसी भी जाती अथवा धर्म के लिए इस तरह की द्वेषपूर्ण बयानबाजी ना कर सके। इससे लोगों में आपसी भाईचारा बना रहे। ठाकुरों के साहस, बलिदान, शौर्य, त्याग का इतिहास गवाह है। अपने देश और अपनी जन्मभूमि की रक्षा के लिए ठाकुरों नें हमेशा अपना बलिदान दिया है। इस मौके पर ठा. अमरेन्द्र सिंह, ठा. धनञ्जय सिंह, अभिनव कुमार सिंह, कमलेश सिंह, नवीन कुमार सिंह, रितेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

लगेज बैग एसो. के सुरेश अध्यक्ष व सन्नी महामंत्री बने

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। महानगर में ज्यों ज्यों व्यापार मंडल के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं विभिन्न व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों के संगठनात्मक चुनाव भी तेजी से कराए जा रहे हैं। क्योंकि व्यापारिक संगठनों के माध्यमों से ही सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी सदस्यता लेने का आज अंतिम दिन है। बशर्ते चुनाव संचालन कमेटी द्वारा सदस्यता लेने की अंतिम तिथि आज से आगे न बढ़ाई जाए। इसी क्रम में महानगर में लगेज बैग एसोसिएशन का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से व्यापारियों द्वारा सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। नव गठित कार्यकारिणी मेंअध्यक्ष सुरेश जग्गा, उपाध्यक्ष हिमांशु अनेजा, महामंत्री सन्नी गाबा, कोषाध्यक्ष मधुर अग्रवाल, सरपरस्त अजय गाबा, जेके अरोरा, अनिल मुंजाल, मीडिया प्रभारी आकाश गाबा, मनीष अरोरा, रोहित जग्गा को पदाधिकारी बनाया गया। इस अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियो का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

विश्वविद्यालय पैनल ने किया किच्छा महाविद्यालय का निरीक्षण

किच्छा(उद संवाददाता)। कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा गठित पैनल ने राजकीय महाविद्यालय किच्छा का स्थलीय निरीक्षण किया। महविद्यालय की विश्वविद्यालय से अस्थाई संबद्धता के विस्तारण के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। स्थलीय निरीक्षण के लिए गठित नौ सदस्यीय पैनल ने निर्धारित मानकों के आधार पर संस्था का निरीक्षण किया। संबद्धता पैनल कॉलेज में संबद्धता हेतु अपेक्षित व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आया। महविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजीव रतन ने बताया कि महाविद्यालय में वर्तमान में संचालित होने वाले कला संकाय के छह विषयों- हिन्दी, अँग्रेजी, इतिहास, राजनीतिविज्ञान, अर्थशास्त्र तथा समाजशास्त्र-की संबद्धता के लिए विश्वविद्यालय पैनल द्वारा निरीक्षण किया गया है। पैनल निरीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर महविद्यालय के लिए विकास के रास्ते खुल सकेंगे। प्राचार्य ने बताया कि पैनल ने भूमि एवं भवन की उपलब्धता, कक्षों का न्यूनतम आकार, व्याख्यान कक्ष, पुस्तकालय, प्रशासनिक भवन, भंडार कक्ष, आई क्यू ए सी, बहुउद्देशयीय हॉल, शैक्षणिक ब्लॉक में कक्षों की न्यूनतम संख्या, दस्तावेजो के रख रखाव, फर्नीचर व उपकरण जल, विद्युत प्रसाधन आदि अनिवार्य सेवाओं, महाविद्यालय में उच्च कोटि के शैक्षणिक व प्रशासनिक वातावरण के लिए आधारभूत सुविधाओं आदि के आधार पर स्थलीय निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की है। प्राचार्य ने उम्मीद जताई कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय महाविद्यालय से अस्थाई संबद्धता का विस्तारण जल्द ही मिल सकेगा। विश्व विद्यालय संबद्धता पैनल की संयोजक डीन कला संकाय प्रोफेसर इन्दु पाठक ने कहा कि विविध मानकों के आधार मान्यता विस्तारण के लिए पैनल अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहा है । महावि द्यालय में संबद्धता के लिए अपेक्षित व्यवस्थाओं पर खुशी जताते हुए उन्होने कहा कि महाविद्यालय के समग्र विकास के लिए आवश्यक निर्देश भी दिये गए हैं। कहा कि पैनल अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र ही कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय को सौपेगा। प्रोफेसर इन्दु पाठक की अध्यक्षता वाले निरीक्षण पैनल में विषय विशेषज्ञ प्रो अनिल कुमार जोशी, प्रो डी0 एस0 बिष्ट, प्रो एल0 एम0 जोशी, प्रो निर्मला ढैला बोरा,प्रो एच सी जोशी, डॉ एस एन राव, प्राचार्य, स्नातकोत्तर महविद्यालय खटीमा तथा अधिशासी अभियंता पी डब्लयू डी शामिल थें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 नरेश, प्रो पुष्पा देवी,डॉ प्रकाश,डॉ उमराव, डॉ हर्षिता, डॉ मनीषा, शिक्षणेत्तर कार्मिक श्री शुभम, लवली पांडे, आनंद, गौतम, सोनू तथा रीतिका, प्रिया, रोशनी आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अलगाववाद और कनाडा के रिश्ते

कभी भी दो देशों के बीच लंबे समय तक तनातनी फायदेमंद साबित नहीं होती। वह भी जब दो ऐसे देशों के बीच किसी मसले पर मनमुटाव हो जाए, जो लंबे वक्त से बेहद करीबी रहे हैं, तो उन्हें उस मसले को मिल-बैठ कर सुलझा लेने में ही बेहतरी समझी जाती है। अच्छी बात है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का भारत के प्रति रुख अब नरम पड़ रहा है। उन्होंने भारत के साथ कनाडा के संबंधों का महत्त्व बताते हुए रिश्ते बेहतर करने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि भारत के साथ करीबी संबंधों को लेकर कनाडा बहुत गंभीर है और दोनों अहम भू-राजनीतिक भागीदार हैं। वैश्विक स्तर पर भारत का महत्त्व बढ़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि कनाडा और उसके सहयोगी भारत के साथ मिलकर काम करें। दरअसल, भारत में आतंकी और आपराधिक मामलों में वांछित हरदीप सिंह निज्जर की बीते जून माह में अज्ञात लोगों ने कनाडा में हत्या कर दी थी। जस्टिन ट्रूडो ने न केवल भारत पर उसकी हत्या के आरोप लगाए, बल्कि भारतीय राजनयिक को कनाडा से निकालने जैसा सख्त कदम भी उठाया। यही नहीं, उन्होंने अमेरिका समेत अपने मित्र और साझीदार देशों के जरिए भारत के खिलाफ दबाव की रणनीति भी अपनानी चाही, मगर इसमें वह कामयाब नहीं हुए। निज्जर मामले में कनाडा की अनावश्यक अक्रामकता के बाद भारत ने अपने एक के बाद एक लिए फैसलों से ट्रूडो को बता दिया कि उस पर अब वैश्विक दबाव काम नहीं करेगा। भारत ने कनाडा के जवाब में जिस प्रकार सबसे पहले उसके राजनयिक को वापस भेजा, फिर कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थायी रोक लगाई और अंतरराष्ट्रीय जगत के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखा, उसका सकारात्मक असर पड़ा। सिख फार जस्टिस के प्रमुख और कनाडा में रहकर भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे खालिस्तानी चरमपंथी और निज्जर के करीबी गुरपतवंत सिंह पन्नू की संपित्तयों को कुर्क किए जाने से भी दुनिया को यह संदेश गया कि भारत किसी भी तरह के अलगाववाद के सख्त खिलाफ है। ट्रूडो ने भारत से संबंध बेहतर बनाने की बात ऐसे समय कही जब विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ वाशिंगटन में मुलाकात कर रहे थे। दोनों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई। निज्जर की हत्या का मुद्दा भी उठा। मगर जिस प्रकार जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर इस मामले को संभाला है, उससे कनाडा अपने कदम पर विचार करने को विवश हुआ है। ट्रूडो संबंधों की दुहाई देकर भले यह कहें कि निज्जर की हत्या की सच्चाई सामने लाने के लिए भारत-कनाडा मिलकर काम करें, लेकिन अभी तक उनके पास निज्जर हत्याकांड से जुड़े सबूत नहीं हैं। समझा जा सकता है कि कनाडा में रह रहे सिख समुदाय का वहां की सरकार पर भारी दबाव है और ट्रूडो सरकार उसकी नाराजगी मोल नहीं लेना चाहती। मगर इसके चलते बिना किसी सबूत के वह भारत से अपने रिश्ते खराब कर ले, तो वह उसके लिए बड़ा और स्थायी नुकसान साबित होगा। दशकों से दोनों देशों के मित्रवत संबंध रहे हैं। उस संबंध में कनाडा के शीर्ष स्तर से दिखाई असावधानी खटास पैदा कर गई है। अब ट्रूडो उसे संभालने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह एक सुखद बात है। मगर ये कोशिशें कितनी कामयाब होंगी और भारत सरकार किस स्तर तक उन पर भरोसा करेगी, यह कनाडा के भविष्य में उठाए जाने वाले कदम पर निर्भर करेगा।

बापू की 'पत्रकारिता' के सिद्धान्त

सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विशेष

अहिंसा के पथ-प्रदर्शक, सत्यनिष्ठ, समाज सुधारक और महात्मा के रूप में विश्वविख्यात बापू सबसे पहले सफल पत्रकार थे। बापू की पत्रकारिता भी उनके गांधीवादी सिद्धांतों की मानिंद है। बापू का स्पष्ट मानना था, पत्रकारिता की बुनियाद सत्यवादिता के मूल में निहित होती है। असत्य की तरफ उन्मुख होकर पत्रकारिता के उद्देश्यों को कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता है। बापू का यह दृष्टिकोण इस बात की पुष्टि करता है, उनकी पत्रकारिता और व्यावहारिक जीवन के सिद्धांतों में किसी तरह का दोहरापन नहीं रहा है। सवाल यह है, क्या आज की वैश्विक पत्रकारिता इन मापदंडों पर खरी उतर रही है। पत्रकारिता में बापू के योगदान की ऐतिहासिकता पर नजर डालें तो उनकी पत्रकारिता का श्रीगणेश ही विरोध की निज अभिव्यक्ति से हुआ था। दक्षिण अफ्रीका में अखबार को लिखे पत्र को बापू की पत्रकारिता का पहला कदम माना जा सकता है। बापू की प्रखर लेखनी का लोहा मानते हुए एक अंग्रेजी के लेखक ने तो यहां तक कहा, गांधी के संपादकीय लेखों के वाक्य- थॉट ऑफ द डे के तौर पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ऐसी थी, बापू की लेखनी की ताकत। यह बापू की पत्रकारिता के अद्वितीय उदाहरण है। बापू की पत्रकारिता डगर में भाषाई दायरे कभी अवरोध नहीं बने। वह समय और अवसर के अनुकूल हिंदी/ऊर्दू/अंग्रेजी/गुजराती में लेखन कर लिया करते थे। दाएं हाथ से हिंदी/ऊर्दू लिखने वाले बापू बाएं हाथ से शानदार अंग्रेजी लिखते थे। सवाल यह है, हममें से कितने बापू की इन विशेषताओं का अनुसरण कर रहे हैं?बापू की नजर में पत्रकारिता का मकसद जन जागरण था। वह जनमानस की समस्याओं को मुख्यधारा की पत्रकारिता में रखने के प्रबल पक्षधर थे। दक्षिण अफ्रीका से भारत आने के बाद गुलामी की परिस्थितियों से प्रबल बापू ने सत्य, अहिंसा के समानांतर पत्रकारिता और लेखनी को भी अपना हथियार बनाया। द इंडियन ओपिनियन, नवजीवन, यंग इंडिया, हरिजन में विचारों से ओत-प्रोत हजारों लेख लिखे। इनमें बापू के मूल्य, आदर्श, सिद्धांत साफ-साफ परिलक्षित होते हैं। बापू का साफ मानना रहा, पत्रकारिता का पहला उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को अपनाना और उन्हें व्यक्त करना है। दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भीकता पूर्वक प्रकट करना है। वह मानते रहे, ज्ञान और विचारों को समीक्षात्मक टिप्पणियों के साथ शब्द, ध्वनि और चित्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना ही पत्रकारिता है। प्रश्न यह है, क्या हम बापू के सपनों की पत्रकारिता को सच में अमली-जामा पहना रहे हैं या नहीं? बापू पत्रकारिता को दो रूपों में विभाजित करते हैं- एक व्यावहारिक पत्रकारिता और दूसरी लोकसेवी। बापू की साफ मान्यता थी, पत्रकारिता को व्यवसाय बनाने से वह दूषित हो जाती है और लोकसेवा के लक्ष्य से भटक जाती है। बापू समाचार पत्रों की शक्ति सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों में पहचानते थे। उन्होंने अपनी आत्मकथा- सत्य के साथ मेरे प्रयोग में लिखा है- समाचार पत्र सेवाभाव से ही चलने चाहिए। समाचार पत्र एक जबर्दस्त शक्ति है, किन्तु जिस प्रकार निरंकुश पानी का प्रवाह गांव के गांव डुबो देता है, उसी प्रकार प्रलय का निरंकुश प्रवाह भी नाश करता है। यदि अंकुश कहर से आता है तो वह निरंकुशता से भी विषैला होता है। 21वीं सदी में पत्रकारिता और लोकतंत्र को गहरी चोट पहुंचाने वाली अनेक घटनाएं घटी हैं। सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने वाली पेड न्यूज की कुप्रथा सामने आई है। फेक न्यूज का भी भयावह रूप किसी से छुपा नहीं है। फिर वही सवाल, क्या हम सत्यनिष्ठा से पत्रकारिता का धर्म निभा रहे हैं? बापू ने अंतिम समय तक पत्रकारिता को कभी किसी व्यक्ति विशेष या संगठन का मोहरा नहीं बनाया। क्या आज ऐसा है? वह अपने लिखे एक-एक शब्द पर मनन करते थे। सकारात्मक और नकारात्मक नतीजों के बारे में सोचते थे। सत्य की कसौटी पर खरा उतरने वाली भाषा का इस्तेमाल करते थे। बापू साथ ही पाठकों को यह अधिकार भी देते थे, वे समाचार पत्र पर पैनी नजर रखें। कहीं कोई अनुचित या झूठी खघ्बर तो नहीं छपी है। अविवेकपूर्ण भाषा का इस्तेमाल तो नहीं हुआ है। क्या आज पाठकों के पास बापू वाला अधिकार है? बापू का मानना था, संपादक पर पाठकों का चाबुक रहना चाहिए, जिसका उपयोग संपादक के बिगड़ने पर हो सके। कड़वा सच यह है, पत्रकारिता के तथ्यों को क्रॉस चेक करने वाला बापू का यह सिद्धांत बिसरा दिया गया है, लेकिन पाठकों को यह जिम्मेदारी उठानी ही होगी। बापू ने बार-बार पत्रकारों को भी उनके उत्तरदायित्व की याद दिलाई है। उन्होंने लिखा था, अगर सरकार को नाखुश करने वाला कुछ प्रकाशित हो भी गया है, तो भी संपादक को क्षमा नहीं मांगनी चाहिए। बापू की दृष्टि में संपादक का कद बड़ा था। बड़ा होना भी चाहिए। बापू का प्रसिद्ध कथन है, हम जो आज करते हैं, उस पर भविष्य निर्भर करता है। बापू ने हिंदी, गुजराती, तमिल और अंग्रेजी में प्रकाशित-इंडियन ओपिनियन को लेकर अपने बुलंद इरादे साफ कर दिए थे। बापू ने लिखा था, इंडियन ओपिनियन की जरूरत के बारे में हमारे मन में कोई संदेह नहीं है। भारतीय समाज दक्षिण अफ्रीका के राजकीय शरीर का निर्जीव अंग नहीं है, उसे जीवित अंग सिद्ध करने के लिए बहुभाषी यह समाचार पत्र निकाला गया है। आज भारतीय ही नहीं, बल्कि विश्व के समूचे पत्रकारिता जगत को जरूरत है, वह बापू के मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों को पढ़ें, समझें और आत्मसात करें। अगर ऐसा कर लेंगे तो बापू को यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

कुशल राजनीतिज्ञ और महान सन्त थे गॉंधी जी

02 अक्टूबर, सन् 1869 को भारत को धरती ने एक ऐसा महामानव पैदा किया,जिसने न केवल भारतीय राजनीति का नक्शा बदला, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का सत्य,अहिंसा, शान्ति और प्रेम को अजेय शक्ति के दर्शन कराए। उनका जन्म पोरबन्दर काठियावाड़ मे हुआ। माता-पिता ने उनका नाम मोहनदास रखा। मोहनदास स्कूल-जीवन मे साधारण कोटि के छात्र थे। परन्तु व्यवहारिक जीवन मे उनकी विशेषता प्रकट होने लगी थी। उन्होने अध्यापक द्वारा नकल कराए जाने पर नकल करने से इन्कार कर दिया। वे 1887 मे कानून पढ़ते के लिए विलायत चले गए। वहॉ उन्होने शराब न पीने, मॉस न खाने और व्यभिचार न करने के वचनों का दृढता से पालन किया। वापसी पर उन्होंने वकालत शुरू कर दी। वकालत के सिलसिले मे डनहें एक बार दक्षिणी अफ्रीका जाना पड़ा। भारतीयों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। स्वयं मोहनदास के साथ भी ऐसा दुर्व्यवहार घटित हुआ। उसे देखकर उनकी आत्मा चीत्कार उठी। उन्होंने 1894 मे नटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना करके गौरी सरकार के विरूद्व विगुल बजा दिया। सत्याग्रह का पहला प्रयोग उन्होंने यहॉ किया था। उनके प्रयत्नों से गोरों के कुछ अत्याचार कम हो गए। भारत सरकार गॉंधी जी स्वतन्त्रता-आन्दोलन मे कूद पडेघ् उन्होंने सत्य और अंहिसा को आधार बनाकर राजनीतिक स्वतन्त्रता का आन्दोलन छेड़ा। 1920-22में उन्होंने अंग्रेज सरकार के विरूद्व असहयोग आन्दोलन छेड़ दिया। विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई। हिंसा होने के कारण गॉंधीद जी ने आन्दोलन वापस ले लिया। सन् 1929 में गॉंधी जी ने पुनः आन्दोलन प्रारम्भ किया। यह आन्दोलन नमक-सत्याग्रह के नाम से प्रसिद्ध है। गॉंधी जी ने स्वयं साबरमती आश्रम से झण्डी तक पदायात्रा की तथा वहॉ। नमक बनाकर नमक कानून का उल्लधंन किया। सन् 1931 मे वे राउण्ड टेबल कांफ्रेस मे सम्मिलित होने के लिए लन्दन गए। सन् 1942 मे उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन छेड़ दिया। देश-भर में क्रान्ति की ज्वाला सुलगने लगी। देश का बच्चा-बच्चा अंग्रेजी सरकार को उखाड़ फेकने पर उतारू हो गया।गॉंधी जी को देश के अन्य नेताओ के साथ बन्दी बना लिया गया। 15अगस्त,1947 को देश स्वतन्त्र हो गया। भारत-पाक विभाजन हुआ देश के विभिन्न स्थनों पर साम्प्रदायिक दंगे होने लगे। उन्हें रोकने के लिए गॉंधी जी ने आमरण अनशन रखा,जिससे साम्प्रदायिकता की आग तो बुझ गई परन्तु स्वयं उसके शिकार हो गए। 30जनवरी,1948 को संसार का यह एक महान मानव एक हत्यारे की गोली को शिकार बन परलोक सिधार गया। गॉंधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वे सभी धर्मो का समान आदर करते थे। उनकी प्रसिद्ध उक्ति है-ईश्वर अल्ला तेरे नाम। सबको सम्मति दे भगवान। गॉंधी ने छुआछुत, जाति-पाति, मंदिरापान आदि का घोर विरोध किया। उन्होंने स्वदेशी पर बल दिया। राजनीति में नैतिकता को स्थान दिया। उन्होंने ग्रामीण विका को ध्यान मे रखते हुए लघु उद्योगो को लगाने की दिशा प्रदान की। वे कुशल राजनीतिज्ञ और महान संत थे। अतः हमारा परम कर्तव्य है कि हम उनके बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प ले, तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है।

प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ,रूद्रपुर

विश्व गुरु भारत

विश्व गुरु या विश्वगुरु एक संस्कृत वाक्यांश और विचार है जिसका अर्थ विश्व या वैश्विक शिक्षक ,विश्व नेता,या दुनिया के शिक्षक या ब्रह्मांड है। पिछले कुछ वर्षों में हम यह सुनने लगे हैं कि भारत विश्वगुरु बनने जा रहा हैं। सामान्य अल्प बुद्धि वाले को इसका अर्थ समझ में नहीं

आता है। एक सामान्य से व्यक्ति से बात हो रही थी उनसे जब पूछा कि भारत विश्वगुरु बनने जा रहा हैं , तो उनका उत्तर सुनकर र्पितंद रह गया। उनका कहना था कि क्या हम अपने भारतीय पौराणिक काल में वापस लौट रहे हैं, जब जंगल में हमारे गुरु होते थे। जहां उनका आश्रम होता था, गुरु-शिष्य की परंपरा का निर्वाह करते हुए गुरु आसन पर विराजमान होकर सामने बैठे अपने शिष्यों को ज्ञान का पाठ पढ़ाया करते थे। क्या हम उस कल में प्रवेश करने जा रहे हैं? इस शब्द के अर्थ को ढूंढने के लिए जब गुगल सर्च करके देखा तो समझ में आया कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे सत्तारूढ़ नेतागण क्यों विश्वगुरु बनने का पाठ पढ़ा रहे हैं और दिवास्वप्न दिखा रहे हैं। बताया गया है कि भारत विश्व गुरु इसलिए कहलाना चाहता है; क्योंकि सभ्यता का प्रारम्भ यहीं से हुआ। वेद विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता का भी विकास भारत में ही हुआ। इस आधार पर भारत को विश्व गुरु माना जाता था। अब आज प्रश्न यह उठता है कि क्या आज हम जिस बात का दिवास्वप्न दुनियां को दिखाने का प्रयास कर रहे हैं , क्या हम उस योग्य बन गए हैं ? अथवा उस गति से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की और बढ़ रहे हैं, जहां पहुंचकर हम यह कह सकते हैं कि हम विश्व गुरु बनने के योग्य हैं। हां, वह समय था जब हमें विश्व ने आध्यात्मिक रूप से स्वीकार किया कि भारत विश्व गुरु का गौरव हासिल कर लिया है, लेकिन आज? नहीं आज की पीढ़ी को अगर याद न हो तो मैं यही कहना चाहूंगा कि आज का भारत विश्वगुरु बनने की राह पर नहीं है। जो गुरु हमारे पास लौटकर आये हैं, उन्होंने यह परिणाम प्राप्त किया है और हमने स्वयं इसे आज खोया है। यूथ इन इंडिया रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 60 प्रतिशत युवा इसी श्रेणी में हैं, जिनमें से लगभग 25 प्रतिशत अपराध में शामिल हैं, इसका मुख्य चरण हो चुका है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश के युवा ऐसे हो तो देश को विश्वगुरु का दर्जा कैसे मिलेगा? वही देश की राजनीति पर नजर डालें तो इस देश में नेताओं के हिसाब से नियम कानून बदले जाते हैं, देश की जनता को कई सहूलियतें दी जाती हैं, कुछ राजनेताओं को इस बारे में सोचना चाहिए, उन्होंने जो सपना देखा है उसे पूर्ण करने के लिए मन में सूत्र बांधने की जरूरत है या फिर धर्म का खेल खेलने की जरूरत है? जिस देश में धर्म की राजनीति की जाती हो, क्या ऐसे देश को विश्वगुरु कहा जा सकता है? हां, हमारे राष्ट्र निर्माता इस झूठ से बचते हुए यह कहें कि यदि जनता सामूहिक प्रयास करे तो भारत फिर से विश्व गुरु के रूप में अपने को स्थापित कर सकता है । इसके लिए निरंतर प्रयास करना और समाज को प्रेरित करते रहना इन राष्ट्र पुरुषों का काम होना चाहिए न कि झूठे दिवास्वप्न दिखाकर फिर उसे जुमला करार देना उचित है। आदिकाल में हम विश्व गुरु थे, लेकिन जो स्थिति आज देश में बन गई है वह संकेत नकारात्मक है, इसके लिए हमें सकारात्मक होना ही पड़ेगा। समाज में मार-काट, सामाजिक वैवनस्यता को उठाकर दूर फेकना होगा ख्र तभी हमारा दिवास्वप्न विश्व गुरु बनने का साकार रूप ले सकेगा। फिलहाल अभी हमें एक आशा की किरण भी दिखाई नहीं दे रही है । इसके लिए हमारे राजपुरूषों को निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे समाज का हर वर्ग एकता के सूत्र में बंध सके और जो हमारे विश्वगुरु बनने के सपनों को साकार कर सकें।

पूनम मौर्य ,काशीपुर

पितरों की शांति के लिए दानवीर कर्ण को भी करना पड़ा था श्राद्ध

हिन्दु धर्म के लगभग सभी लोग महाभारत व उसके एक-एक पात्र से परिचित होंगे ही और सभी यह भी जानते होंगे कि महाभारत में कर्ण नाम के जो महाबली योद्धा थे, वे वास्ध्तव में पांडवों की माता कुंती के सबसे पहले पुत्र थे। महाभारत काल के सबसे बड़े दानवीरों में उनका नाम सर्वोपरि था। हिन्ध्दुओं के धार्मिक ग्रंथ महाभारत के अनुसार महावीर कर्ण हर रोज गरीबों और जरूरतमंदों को स्वर्ण व कीमती चीजों का दान किया करते थे। लेकिन महाभारत के युद्ध के दौरान जब उनकी मृत्यु हुई और वे स्वर्ग पहुंचे तो भोजन के रूप में उन्हें हीरे,मोती, स्वर्ण मुद्राएँ व रत्न आदि खाने के लिए परोसे गए। इस प्रकार का भोजन मिलने की उन्हें बिल्कुल उम्मीद नहीं थी, इसलिए इस तरह का भोजन देख उन्हें बहुत बड़ा झटका लगा और उन्होंने स्वर्ग के अधिपति भगवान इंद्र से पूछा, 'सभी लोगों को तो सामान्य भोजन दिया जा रहा है, तो फिर मुझे भोजन के रूप में स्वर्ण,आभूषण, रत्नादि क्ध्यों परोसे गए हैं?" कर्ण का ये सवाल सुनकर इंद्र ने कर्ण से कहा,'इस बात में कोई संदेह नहीं है कि आप धरती के सबसे बडे दानवीरों में भी सर्वोपरि थे और आपके दरवाजे से कभी कोई खाली हाथ नहीं गया, लेकिन आपने कभी भी अपने पूर्वजों के नाम पर खाने का दान नहीं किया। इसीलिए आपके दरबार में आया हुआ हर जरूरतमंद आपसे सन्तुष्ट व तृप्त था, लेकिन श्राद्ध के दौरान आपने पूर्वजों को कभी भी खाना दान नहीं किया। तब कर्ण ने इंद्र से कहा उन्हें यह ज्ञात नहीं था कि उनके पूर्वज कौन थे और इसी वजह से वह कभी उन्हें कुछ दान नहीं कर सकें। इस सबके बाद कर्ण को उनकी गलती सुधारने का मौका दिया गया और 16 दिन के लिए पृथ्वी पर वापस भेजा गया, जहां उन्होंने अपने पूर्वजों को याद करते हुए उनका श्राद्ध कर उन्हें आहार दान किया और उनकातर्पण किया। ऐसी मान्यता है कि इन्हीं 16 दिन की अवधि को पितृ पक्ष कहा जाता है। इस दिन कौवो को आमंत्रित करके उन्हें भी श्राद्ध का भोजन कराना चाहिए, क्योंकि हिंदू पुराण में कौए को देवपुत्र कहा गया है। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है। इसके अनुसार सबसे पहले इंद्र के पुत्र जयंत ने कौए का रूप धारण किया था। त्रेता युग की घटना के अनुसार जयंत ने कौए का रूप धारण कर माता सीता को घायल कर दिया था। तब भगवान राम ने तिनके से ब्रह्मास्त्र चलाकर जयंत की आंख फोड़ दी, जयंत ने क्षमा मांगी तब राम ने वरदान दिया कि तुम्हें अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलेगा। हिन्दू परंपरा को मानने वाले लोग भारत के अलावा विदेशों में कहीं भी हों वे अपने पूर्वजों को याद करने के लिए पितृ पक्ष को जरूर मनाते हैं।

ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री

महाकाली नदी में आयोजित राफ्टिंग प्रतियोगिता में 15 टीमों ने किया प्रतिभाग

लेफ्टिनेंट जनरल गजेन्द्र जोशी ने विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

चंपावत(उद संवाददाता)। चंपावत के टनकपुर में महाकाली नदी में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय राफ्टिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल गजेन्द्र जोशी रहे। जिन्होंने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार एवं पर्यटन विभाग का यह एक सराहनीय प्रयास है। इको टूरिज्म को उत्तराखंड में इससे बढ़ावा मिलेगा। इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साहसिक पर्यटन में चंपावत में अपार संभावनाऐं हैं। जिन्हें विकसित व प्रचारित करना होगा। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखंड पर्यटन साहसिक विंग अश्विनी कुमार पुंडीर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं को एक प्रेरणा मिलने के साथ ही इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलते हैं। सरकार इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। ऋषिकेश में युवाओं को राफ्टिंग का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तीन दिवसीय राफ्टिंग प्रतियोगिता में पहले दिन 13 किलोमीटर की मैराथन राफ्टिंग प्रतियोगिता चरन मंदिर से बूम तक सम्पन्न हुई जिसमें 15 टीमों ने प्रतिभाग किया गया।तीन दिनों तक चली राफ्टिंग प्रतियोगिता में तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिसमें रुपुरुष वर्ग में रियल एडवेंचर की टीम ओवरऑल चौंपियन रही बीएसएफ की टीम दूसरे स्थान पर रही। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में बीएसएफ की टीम चैंपियन रही वहीं दूसरे स्थान पर रियल एडवेंचर की टीम रही। मैराथन पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता में रियल एडवेंचर की टीम पहले स्थान पर रही। इन्होंने मैराथन को 22.20 मिनट में पार किया। दूसरे स्थान पर बीएसएफ की टीम रही इन्होंने 22 मिनट 25 सेकंड में राफ्टिंग को पूरा किया। तीसरे स्थान पर उत्तराखंड पुलिस की टीम रही इन्होंने अपनी राफ्टिंग को 22 मिनट 42 सेकंड में पर किया। महिला वर्ग की राफ्टिंग मैराथन में पहले स्थान पर रियल एडवेंचर की टीम रही जिन्होंने 23 मिनट 41 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। दूसरे स्थान पर बीएसएफ की टीम रही इन्होंने 23 मिनट 58 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की तीसरे स्थान पर स्नो ट्राउट एडवेंचर की टीम रही इन्होंने 24 मिनट 37 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। दूसरे दिन आयोजित सलालम राफ्टिंग प्रतियोगिता में 15 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें पुरुष वर्ग की टीम में पहले स्थान पर मनाली की टीम अब्बिमास ने 4 मिनट 11 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। दूसरे स्थान पर बीएसएफ की टीम ने 5 मिनट 29 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। तीसरे स्थान पर जीएमवीएन की टीम रही इन्होंने 6 मिनट 3 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। वहीं महिला वर्ग की प्रतियोगिता में बीएसएफ की टीम पहले स्थान पर रही इन्होंने राफ्टिंग को 6 मिनट 46 सेकंड में पूरा किया। दूसरे स्थान पर रियल एडवेंचर की टीम रही इन्होंने 7 मिनट 6 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। तीसरे स्थान पर केएनवीएन की टीम रही इन्होंने 7 मिनट 12 सेकंड में राफ्टिंग पुरी की। तीसरे दिन आयोजित 40सेकंड में पूरा किया। स्प्रिट राफ्टिंग प्रतियोगिता में महिला वर्ग में पहले स्थान पर बीएसएफ की टीम रही इन्होंने राफ्टिंग को 3 मिनट 49 सेकंड में पूरा किया दूसरे स्थान पर रियल एडवेंचर की टीम रही इन्होंने अपनी राफ्टिंग को 4 मिनट 2 सेकंड में पूरा किया। तीसरे स्थान पर जीएमवीएन की टीम रही इन्होंने अपनी राफ्टिंग को 4 मिनट 5 सेकंड में पूरा किया।राफ्टिंग में प्रतिभा करने वाली टीमें जिसमें लाइफ इज एडवेंचर, एएपीएफ नेपाल, गढ़वाल मंडल विकास निगम, एसडीआरएफ, बीएसएफ, उत्तराखंड पुलिस , रियल एडवेंचर, एसएसबी अबविमास हिमांचल , सिक्किम राफ्टिंग, स्नो ट्राउट एडवेंचर टनकपुर ने प्रतिभाग किया गया। महिला टीम में रियल एडवेंचर, बीएसएफ, जीएमवीएन, केएनवीएन, स्नो ट्राउट एडवेंचर टनकपुर की टीम ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के अवसर पर विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, राफ्टिंग टेक्निकल टीम से प्रदीप राज सिंह, मंजुल रावत,नवीन कुमार महेश विश्वकर्मा,शिव चंद ठाकुर,जूप जिलाधिकारी टनकपुर आकाश कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़,जिला मत्स्य प्रभारी के एस बगड़वाल,मोनी बाबा,राजेन्द्र गड़कोटी। इस मौके पर एस एस बी बैंड द्वारा प्रस्तुति दी।

शिविर में बीस लोगों ने किया रक्तदान

गूलरभोज(उद संवाददाता)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गूलरभोज में जिला चिकित्सालय रुद्रपुर के डॉक्टरों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ नगर पंचायत चेयरपर्सन गूलरभोज अनीता दुबे ने किया। शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉक्टर कुलदीप रघुवंशी, ओम प्रकाश डोगरा, नंदन सिंह कोश्यारी, हरेंद्र तोमर, अमित कुमार गुप्ता भाजपा नगर अध्यक्ष तरुण दुबे, डॉ सुधीर गुप्ता,डॉक्टर ओ एन ओझा, के सि नैनवाल,बलवीर कौर, दीपा मेहरा, जानकी भंडारी,शशि प्रभा सिंह, पूजा यादव,शिवम कक्कड़, पूनम एवं जिला चिकित्सालय की टीम जिसमें जितेंद्र सिंह बृजवाल,अभिषेक एवं अनिल आदि लोग मौजूद थे।

भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

देहरादून (उद संवाददाता)। वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग के तहत विस्तार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून द्वारा भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए 'भूमि प्रबंधन में कृषि वानिकी की भूमिका' पर एक सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका आज विधिवत समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को रूड़की के पास गुरुकुल नारसन में कृषि वानिकी से समृद्ध क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया जहां प्रतिभागियों ने प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की और व्यावसायिक स्तर पर पोपलर आधारित कृषि वानिकी के बारे में जाना। प्रशिक्षु किसानों के माध्यम से दोनों कृषि फसलों व पेड़ों के बीच तालमेल बनाए रखने के लिए पेड़ों और कृषि फसलों के संयोजन के साथ तकनीकी खेती को जानकर आश्चर्यचकित थे, जो पेड़ों के नीचे की कृषि फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करता है। डॉ. रेनू सिंह की अध्यक्षता में 'वन विभागों के कामकाज में सुधार-प्रशिक्षण और कौशल में सुधार के माध्यम से कैरियर विकास की आवश्यकता' विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। पैनलिस्टों में डॉ. जगमोहन शर्मा, आईएफएस और सुश्री ऋचा मिश्रा, आईएफएस शामिल थे। पैनलिस्टों और प्रतिभागियों ने अधिकारियों के करियर में प्रशिक्षण के महत्व पर बात की। निदेशक, भा.वा.अ.शि.प. - वन अनुसंधान संस्थान ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किये। प्रशिक्षण में भारतीय वन सेवा के कुल 12 अधिकारियों ने भाग लिया। सुश्री ऋचा मिश्रा, प्रमुख, विस्तार प्रभाग और प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक के कुशल मार्गदर्शन में डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया गया था। रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, सुश्री विजया रात्रे, सहायक वनसंवर्धनिक, वेद पाल सिंह, वैज्ञानिक-डी किरण कुमार, तकनीकी अधिकारी और अन्य सदस्यों सहित टीम के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सराहनीय कार्य किया।

बच्ची के साथ छेड़छाड़ व धमकी में एक नामजद

काशीपुर(उद संवाददाता)। आठ वर्षीया बच्ची के साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करने के एक मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी को नामजद करते हुए उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर न्यू आवास विकास निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि गढ़ दिवस जब उसकी 8 वर्षीय पुत्री घर के समीप खेल रही थी इसी दौरान ग्राम धीमरखेड़ा थाना आईटीआई निवासी मोहम्मद सलमान पुत्र फुलशाह ने मौका पाकर बच्ची के साथ अश्लीलता करते हुए छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसने बच्ची को मौत के घाट उतारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संगीत धाराओं में अभियोग दर्जकर अभियुक्त की गिरफ्तारी प्रयास शुरू कर दिए।

नाबालिग लड़के संग किरायेदार महिला लापता

किच्छा। नगर के एक वार्ड में किरायेदार बनकर आई तीन बच्चों की मां अपने मकान मालिक के नाबालिग लड़के को बहला फुसलाकर लापता हो गई। लड़के के पिता ने पुलिस को बताया कि उसका पति कमरा खाली नहीं कर रहा है। एक व्यक्ति ने बताया कि लगभग डेढ़ महीने पहले उसके घर पर किरायेदार आया जिसके तीन बच्चे थे। बताया कि उसकी पत्नी ने उसके नाबालिग बेटे को अपने जाल में फंसा लिया। बताया कि उसका बेटा घर से 42000 नकद व सोने का जेवर भी ले गया है।

पेज एक का शेष...

ट्रेन की चपेट में...प्रियांशु की खोजबीन की। मध्य रात्रि प्रियांशु का शव हंस विहार कालोनी के सामने रेल की पटरियो के पास खून से लथपथ पड़ा पाया गया। प्रियांशु का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के पिता महेंद्र भंडारी ने बताया कि वह सिडकुल की एक फैक्ट्री में काम करते हैं। प्रियांशु उनका इकलौता पुत्र था। इंटर पास करने के बाद उसने इस वर्ष डिग्री कॉलेज में बीकॉम विषय में प्रवेश लिया था। उनकी 15 वर्षीय पुत्री प्रियांशी है। घर के इकलौते चिराग के बुझ जाने से परिजनों पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है।

बेकाबू कार की ...में घायल हुए दोनों छात्रों को उपचार के लिए घटना स्थल पर मौजूद छात्रों द्वारा उपचार के लिये सरकारी अस्पताल लाया गया जहां उनकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। मौके पर मौजूद छात्र ललित कडाकोटी ने बताया कि घटना में कार चालक द्वारा लापरवाही की गई है । उन्होंने पुलिस प्रशासन से कार चालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो छात्र प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

14 साल से फरार एक लाख का इनामी बदमाश गिरफ्तार

चाचा की हत्या के बाद लालकुंआ से हुआ था फरार, एसटीएफ ने फरीदाबाद से दबोचा

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड की एसटीएफ साल 2009 में फरार हत्या के एक आरोपी को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। इनामी पर एक लाख रूपए का इनाम था जो कि 14 साल पहले हत्या कर फरार हो गया था।उत्तराखंड की एसटीएफ ने हत्या के आरोपी जिस पर एक लाख का इनाम था उसे फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि 2009 में नैनीताल जिले के थाना लाल कुआं क्षेत्र में प्रकाश पंत ने जमीनी विवाद के चलते अपने चाचा दुर्गा दत्त पंथ की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से प्रकाश पंत लगातार फरार चल रहा था। प्रकाश पंत 14 साल पहले अपने चाचा की हत्या कर फरार हो गया था। इसकी गिरफ्तारी के लिए नैनीताल पुलिस ने काफी प्रयास किया। लेकिन प्रकाश पंत अलग-अलग शहरों में अपनी पहचान छुपा के रह रहा था। जिस कारण वो गिरफ्तार नहीं हो पाया। वेल्डिंग के काम में माहिर प्रकाश पंत को अपनी आजीविका चलाने के लिए कोई दिक्कत नहीं हो रही थी और उसे आसानी से कम मिल रहा था। एसटीएफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल के मुताबिक एसटीएफ को जानकारी मिली कि प्रकाश पंत फरीदाबाद में अपनी पहचान छुपा कर रह रहा है। तभी एसटीएफ ने शातिर इनामी अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि नैनीताल के थाना लाल कुआं से फरार चल रहे आरोपी पर एक लाख का इनाम घोषित था।

चाकू के साथ बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में गश्त के दौरान कोतवाली पुलिस ने एक बदमाश को शक आधार पर दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से चाकू बरामद किया। पुलिस के अधिकारियों का मानना है कि पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पता चला है कि कोतवाली पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने कर्बला मैदान के पास से संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए ग्राम मदीपुरी तहसील ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद उत्तर प्रदेश निवासी रोहित शर्मा पुत्र महेश शर्मा को शक के आधार पर दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से एक चाकू बरामद किया। जरूरी जानकारी जुटाने के बाद गिरफ्तार बदमाश का पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत चालान कर दिया गया।

पुलिस के हत्थे चढ़े तीन फरार वारंटी

काशीपुर। चेक बाउंस के मामले में पिछले लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटियों को पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर गिरफ्तार करते हुए जरूरी पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। जानकारी के मुताबिक टांडा उज्जैन निवासी सतनाम सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह, न्यू आवास विकास निवासी मुकेश कुमार पुत्र कमलेश कुमार तथा ग्राम पैगा थाना आईटीआई निवासी राजेश सिंह पुत्र दिलीप सिंह 138 एन आई एक्ट के अलग-अलग मामलों में पिछले लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने सूचना के आधार पर उपरोक्त तीनों को गिरफ्तार कर जरूरी पूछताछ के बाद तीनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

विस अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने सांसद अनिल बलूनी का जताया आभार

नई दिल्ली। विधानसभा अध्यक्ष ऋतू खंडूरी ने शुक्रवार को सांसद अनिल बलूनी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान ऋतू खंडूरी ने कोटद्वार और दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन को स्वीकृत कराने पर सांसद का आभार जताया। शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतू खंडूरी ने राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से उनके नई दिल्ली में स्थित आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान अध्यक्ष ने कोटद्वार और दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन को लेकर खुशी जाहिर करते हुए सांसद का आभार व्यक्त किया। बता दें ऋतू खंडूरी वर्तमान में कोटद्वार की विधायक भी है। सांसद अनिल बलूनी की पहल पर कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच प्रस्तावित सीधी नई एक्सप्रेस ट्रेन को रेल मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। रेल मंत्री ने इसकी जानकारी राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी को पत्र लिखकर दी है। अब जल्द ही कोटद्वार से दिल्ली के बीच यह ट्रेन चल सकती है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रुद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

...तो धामी राज में कम हो रहा है लिंगानुपात असंतुलन?

उत्तराखंड में लगातार बढ़ रही बालिका जन्म दर ,राज्य के पांच जिलों में बेटों से अधिक पैदा हो रही है बेटियां

■ अर्श

तमाम सरकारी कोशिशें के बावजूद उत्तराखंड में लिंगानुपात असंतुलन कम होने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि राज्य के अस्तित्व में आने के बाद से ही सरकारों ने लिंगानुपात संतुलन काम करने के भरसक प्रयास किए ,परंतु इस दिशा में अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं किया की जा सका। वैसे राज्य के लिए यह संतोष का विषय हो सकता है कि सरकारों ने कम से कम लिंगानुपात के मूल में सक्रिय कारकों की पहचान कर उन्हें दूर करने की प्रतिबद्धता तो दिखाई है। राज्य निर्माण के समय जहां उत्तराखंड के सरकारी अस्पतालों में जच्चा बच्चा के देखरेख की समुचित सुविधा नहीं थी और डॉक्टर सुदूर पहाड़ी अंचलों के स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाएं देने से बचते थे ,वहीं अब सरकार धरातल के हालात काफी हद तक बदलने में कामयाब रही है ।अब उत्तराखंड सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर शुरुआती दिनों की अपेक्षा अधिक व्यय कर रही है ।तकरीबन सभी तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किये जा चुके हैं ,लेकिन इन तमाम कोशिशें के बावजूद देवभूमि में बेटों की तुलना में बेटियों की जन्म दर संतोष जनक तरीके से नहीं बढ़ाई जा सकी है। जिक्र आंकड़ों का करें ,तो उत्तराखंड में लिंगानुपात असंतुलन के आंकड़े बेहद चिंता जनक है ।सितम्बर 22 में रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया (आर.जी. आई) के जरिये आये नतीजे ,जो सांख्यिकी रपट 2020 की न्यादर्श पंजीकरण प्रणाली (एस।आर।एस) पर आधारित रहे, बताते हैं कि, "उत्तराखंड में प्रति हजार जन्म हुए शिशुओं में अब बच्चियों की संख्या देश भर में सबसे कम 844 रह गई है। 2017 से 2019 की अवधि में यह 848 पाई गई थी। अब ग्रामीण इलाकों में जहां प्रति हजार जन्म पर 853 बच्चियां जन्म ले रहीं हैं तो शहरी इलाकों में इनकी संख्या गिर कर मात्र 821 रह गई है"। जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखंड मे बच्चों का लिंगानुपात 890 था। इनमें सबसे अधिक लिंग अनुपात वाले जिले अल्मोड़ा (1,139), रुद्रप्रयाग (1,114), पौड़ी गढ़वाल (1,103) व बागेश्वर (1,090) थे। जिनका अधिकांश भाग पर्वतीय है। वहीं सबसे कम लिंगानुपात वाले जिले हरिद्वार (880), देहरादून (902), ऊधम सिंह नगर (920) व नैनीताल (934)हैं जो अधिकांश शहरी इलाके हैं । स्पष्ट है कि वर्ष 2011 की जनगणना के समय उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में शहरी इलाकों की तुलना में अधिक बेटियां जन्म ले रही थी। मगर जैसे-जैसे उत्तराखंड अपने विकास की राह में आगे बढ़ता गया वैसे-वैसे लिंगानुपात असंतुलन बढ़ता गया। लिंगानुपात असंतुलन के बढ़ते क्रम पर दृष्टिपात करें तो उत्तराखंड में 2014 से 2016 की अवधि में जन्म के समय लिंगानुपात 850 था ,जो 2018से 2020 की अवधि में कम हो कर 844 हो गया। उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में 2017 से 2019 की समय अवधि में लिंगानुपात 853 से बढ़ कर 862 हो गया, जो शहरी इलाकों में 2013 से 2015 की अवधि में न केवल केवल उत्तराखंड बल्कि देश भर में सबसे कम था। 2014 से 2016 के बीच यह और सिमट कर 816 रह गया। 2018 से 2020 में इसमें थोड़ी वृद्धि दिखी ,जब आंशिक रूप से यह सुधर कर 821 हो गया। बताने की जरूरत नहीं कि लिंगानुपात में लड़कियों की गिरती जन्म दर से उपजी असंतुलन की दशाएं अब प्रभावी हैं। हालांकि इस असाम्य को ले कर केंद्र व राज्य के आंकड़े अलग अलग हैं। नीति आयोग के अनुसार उत्तराखंड में 2020 में लिंगानुपात 840 रह गया है। इससे पहले 2019 में यह 841 तो 2018 में 850 था। अब लिंगानुपात की तुलना में उत्तराखंड हरियाणा से भी नीचे है। जहां प्रति हजार पर 843 लड़कियां हैं व उसके पड़ोसी राज्य दिल्ली में 843 तो बंगाल मे प्रति हजार बेटों पर 941, केरल में 957 व छत्तीसगढ़ मे सर्वाधिक 958 बेटियाँ जन्म ले रहीं हैं। यद्यपि उत्तराखंड में प्रति हजार बेटों पर मात्र 840 बेटियों के जन्म पर राज्य सरकार सहमत नहीं है। उसने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के हवाले से इसका प्रतिवाद करते हुए यह स्पस्टीकरण दिया है कि संभवत: नीति आयोग ने यह आंकड़े 2018 के न्यादर्श पंजीकरण सर्वे से लिए हैं ,जो कि पुराने हैं। उत्तराखंड सरकार के अनुसार राज्य मे हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम हर जन्म की सूचना के आधार पर आंकड़े जारी करता है और ताजा आंकड़े राज्य में तेजी से बदल रहे हालात का खाका खींचते हैं ।उत्तराखंड सरकार के दावे के अनुसार राज्य के पांच जिलों में बेटियों की जन्म दर बेटों की तुलना में काफी अधिक है। तथा शेष जिलों में बेटियों की जन्म दर बढ़ाने के हर संभव प्रयास जारी है। राज्य सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में 1444, नैनीताल जिले में 1136 ,पौड़ी जिले में 1065 चमोली जिले में 1026 ,यूएस नगर जिले में 1022, हरिद्वार जिले में 985, रुद्रप्रयाग जिले में 958 ,बागेश्वर जिले में940, चंपावत जिले में926, पिथौरागढ़ जिले में 911, उत्तरकाशी जिले में 869 ,टिहरी जिले में 866, देहरादून जिले में 823 बालिकाएं प्रति हजार बालकों की तुलना में जन्म ले रही हैं। राज्य सरकार के यह आंकड़े नीति आयोग के आंकड़ों से बेशक मेल ना खाते हो पर यह इस ओर संकेत तो अवश्य करते हैं कि उत्तराखंड में इस दिशा में ईमानदारी से कार्य हो रहा है। बहरहाल सरकार की कोशिश अब कुछ ऐसी होनी चाहिए जिससे हरिद्वार ,रुद्रप्रयाग, बागेश्वर ,चंपावत ,पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, टिहरी, देहरादून आदि जिलों में बालिका जन्म दर बढ़ाई जा सके।

गुरू मा
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू मा
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Easy EMI Options Available
गुरू मा
GURU MAA ENTERPRISES
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338